साप्ताहिक
युवा प्रदेश
Freedom Of Speech
RNI.NO. MPHIN/2015/76299
संपादक-नागेश नरवरिया
वर्ष 7, अंक-22 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 08 जुलाई 2022 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ -8 | मूल्य 3 रुपये

Mother's Basket
Kitchen Herbs & Spices
Swad jo pahuche dil tak

सुविचार

रिश्तों की सिलाई अगर,भावनाओं से हुई है,तो टूटना मुश्किल है, और अगर स्वार्थ से हुई है,तो टिकना मुश्किल है

महंगी पड़ी वोटर्स को लुभाने की कोशिश

मैहर की बठिया पंचायत के मतदाताओं को शराब बांट रहे सरपंच प्रत्याशी के समर्थक पकड़ाए

सतना। तीसरे चरण के पंचायत चुनाव में मतदान के ठीक पहले रात के वक्त मतदाताओं को शराब बांट रहे सरपंच प्रत्याशी के 5 समर्थक पुलिस के हत्थे चढ़ गए। पुलिस ने स्कॉर्पियो समेत शराब जब्त कर मुकदमा दर्ज कर लिया है। मतदान प्रभावित करने के मामले में सतना जिले में दर्ज किया गया यह तीसरा मुकदमा है।

हासिल जानकारी के मुताबिक तीसरे चरण के मतदान के ठीक पहले गुरुवार की रात मैहर जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत बठिया के सरपंच प्रत्याशी आदर्श सिंह चौहान के समर्थकों को पुलिस ने शराब बांटते रंगे हाथ पकड़ा। नादन पुलिस को खबर मिली थी कि

स्कॉर्पियो नंबर स्क21 ष्ट 8386 में रख कर कुछ लोग मतदाताओं को प्रभावित करने शराब बांट रहे हैं। पुलिस ने बरहिया पुल के पास स्कॉर्पियो को रोक कर तलाशी ली तो उसमें अंग्रेजी शराब की शीशियां मिली। गाड़ी में मूलचंद कुशवाहा, ठाकुर प्रसाद कुशवाहा, मथुरा प्रसाद कुशवाहा, भरत दाहिया और राजाराम दाहिया सवार थे। पहले तो उन्होंने पुलिस को गोल मोल जवाब के जरिए घुमाया लेकिन जब वाहन में प्रचार सामग्री भी पड़ी मिली, तो उन्होंने सच स्वीकारा। जिसके बाद उन्होंने बताया कि वे सरपंच प्रत्याशी आदर्श सिंह चौहान के पक्ष में मतदाताओं को शराब बांट रहे थे। पुलिस ने स्कॉर्पियो को शराब समेत जब्त कर लिया है।

इस मामले में धारा 171 क्क171श्च,171स्त्र, 188 और 34 आईपीसी के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। बता दें कि मतदान व मतदाताओं को प्रभावित करने के मामले में सतना के थानों में दर्ज यह तीसरा मामला है। दो मुकदमे पहले चरण के नगरीय निकाय चुनाव के दौरान सतना शहर में मतदाताओं को रुपए और साड़ियां बांटने के मामले में दर्ज हो चुके हैं।

नर्सिंग कॉलेज फर्जीवाड़ा: कोर्ट ने पूछा- कहां गए मूल रिकॉर्ड के 37 हजार पन्ने

लॉ स्टूडेंट्स एसोसिएशन ने दस्तावेजों की निरीक्षण रिपोर्ट पेश की

जबलपुर। प्रदेश के नर्सिंग कॉलेजों में हो रहे फर्जीवाड़े से जुड़े मामले में गुरुवार को सुनवाई के दौरान एक नया खुलासा हुआ। दरअसल, प्रदेश के 453 नर्सिंग कॉलेजों के मान्यता के समस्त रिकॉर्ड में से 37 हजार 759 पन्ने गायब थे। हाईकोर्ट ने इस पर नाराजगी जाहिर करते हुए राज्य सरकार को यह बताने को कहा है कि आखिर उक्त पन्ने कहां गायब हो गए। चीफ जस्टिस रवि मलिमठ व जस्टिस विशाल मिश्रा की खंडपीठ ने 11 जुलाई को फिर से सुनवाई करने के निर्देश दिए। अगली सुनवाई पर सरकार को स्पष्टीकरण पेश करना है। गौरतलब है कि लॉ स्टूडेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष विशाल बघेल ने प्रदेश के फर्जी नर्सिंग कॉलेजों को चुनौती देते हुए एक जनहित याचिका दायर की थी। पिछली सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट के आदेश के पालन में मप्र शासन द्वारा नर्सिंग काउंसिल में रखे हुए प्रदेश के 453 नर्सिंग कॉलेजों के मान्यता के समस्त रिकॉर्ड कोर्ट में पेश किए गए। हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता को रिकॉर्ड के निरीक्षण की अनुमति दी थी। संपूर्ण रिकॉर्ड के निरीक्षण के बाद विशाल बघेल ने अपनी निरीक्षण रिपोर्ट कोर्ट में प्रस्तुत की। रिपोर्ट में बताया गया कि नर्सिंग काउंसिल द्वारा कोर्ट में पेश किए गए रिकॉर्ड में से 37759 पन्ने गायब हैं। इनका उल्लेख मान्यता की फाइलों में तो है, लेकिन वास्तविकता में वो कागज नहीं हैं। नर्सिंग काउंसिल की ओर से ग्वालियर हाईकोर्ट की तर्ज पर शेष 453 नर्सिंग कॉलेजों की जांच के लिए कमेटी बनाने हेतु आग्रह किया गया, लेकिन हाईकोर्ट ने इसे नकार दिया।

चौंकाने वाले हैं खुलासे

याचिकाकर्ता की निरीक्षण रिपोर्ट में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। रिपोर्ट में 80 कॉलेजों की सूची भी पेश की है, जिसमें प्राचार्य एवं अन्य शैक्षणिक स्टाफ को एक ही समय में एक से अधिक संस्थाओं में कार्यरत दर्शाया गया है। ऐसे अनेक कॉलेजों की फोटो पेश की गई है जो एक ही भवन में अलग-अलग पाठ्यक्रमों की मान्यता लेकर कॉलेज संचालित कर रहे हैं। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता आलोक वागरेचा ने वर्ष 2020-21 के नर्सिंग कॉलेजों द्वारा ऑनलाइन फार्म में भरे गए शैक्षणिक स्टाफ तथा अन्य दस्तावेज सॉफ्ट कॉपी में मांगे हैं। कोर्ट ने काउंसिल को समस्त रिकॉर्ड का एक्सेस याचिकाकर्ता को प्रदान करने के निर्देश दिए।

भोपाल के नगर वन में टाइगरःनीलगाय का शिकार, वन विभाग ने ट्रैप कैमरे लगाए

भोपाल। भोपाल के कलियासोत के नगर वन में फंसे भूखे टाइगर ने नीलगाय का शिकार किया है। गुरुवार को वन विभाग के अफसर और बाघ मित्र नगर वन में पहुंचे। जाली के पास नीलगायों का झुंड भी देखने को मिला। वन विभाग ने यहां पर ट्रैप कैमरे लगाए हैं। इनमें टाइगर का मूवमेंट दिखा है। वह बाघिन टी-123 का शावक है। उसकी उम्र डेढ़ साल है। इधर, बाघ को देखने के लिए गुरुवार को नगर वन एरिये में बड़ी संख्या में लोग पहुंच गए। जिन्हें हटाने के लिए वन विभाग को मशक्कत करना पड़ी। बारिश होने से अफसर सर्चिंग नहीं कर पाए। कुछ स्थानों पर ट्रैप कैमरे लगाए गए हैं। एसडीओ आरएस भदौरिया ने बताया, निगरानी के लिए कर्मचारियों को गश्त के लिए लगाया गया है। बाहर निकलने के लिए रास्ते भी खुले रखे हैं।

बिना टिकट के बस में यात्रा करना या टिकिट कंडक्टर द्वारा टिकिट न दिया जाना कब अपराध होगा जानिए/MV Act,1988....

बहुत से ऐसे व्यक्ति होते हैं जो बिना टिकिट के बस में यात्रा करते हैं या निर्धारित शुल्क से कम पैसे देने के चक्कर में कंडक्टर से टिकिट नहीं बनवाते है,यह जानकारी आम जनता को एवं टिकिट

न देने वाले कंडक्टर को शायद मालूम नहीं होती कि उसे दस या बीस रुपये के लालच में कितना जुर्माना भरना पड़ा सकता हैं जानिए।

मोटर यान अधिनियम,1988 की धारा 178 की परिभाषा-

जो कोई व्यक्ति बिना टिकिट या बिना पास के यात्री गाड़ी में सवारी या यात्रा करेगा।

या कोई कंडक्टर किसी यात्री को जानबूझकर कर टिकिट या पास नहीं देगा या देने से इनकार करेगा या किसी प्रकार की अवैध टिकिट काटेगा।

कोई सवारी गाड़ी चालक किसी परिमिट धारक गाड़ी को चलाने से इनकार करेगा जब गाड़ी यात्रियों से भरी हो। उपर्युक्त कृत्य करने वाला यात्री,चालक या कंडक्टर अधिनियम धारा 178 के अंतर्गत जुर्माना जो अधिकतम पाँच सौ रुपये से दंडनीय होगा।

लेखक बीआर अहिरवार(पत्रकार एवं लॉ छात्र होशंगाबाद) 9827737665

पंचायत चुनाव का तीसरा चरण: चंबल में थानों में खड़े करवाए बुलडोजर

भोपाल। मध्यप्रदेश में तीसरे चरण के पंचायत चुनाव के लिए आज वोटिंग हो रही है। प्रदेशभर में सुबह 9 बजे तक यानी 2 घंटे में 18त्न वोटिंग हो चुकी है। मतदान से पहले मुरैना प्रशासन ने बुलडोजर के साथ फ्लैग मार्च निकाला। इतना ही नहीं थानों में भी बुलडोजर खड़े करवा दिए। साथ ही हिदायत दी कि अगर चुनाव में उपद्रव किया तो उनके अवैध मकान बुलडोजर से ध्वस्त कर दिए जाएंगे। बता दें कि मुरैना में पंचायत चुनाव के पहले चरण के मतदान में छह जगह उप्रदव हुआ था। इसमें तहसीलदार समेत 6 लोग घायल हो गए थे। इसके बाद प्रशासन ने दूसरे दिन गूंजबधा गांव में तीन आरोपियों के मकान बुलडोजर से तोड़ दिए। तीसरे चरण में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी वोट डालेंगे। ष्टरूसपरिवार सीहोर जिले में गृह ग्राम जैत पहुंचेंगे। बता दें कि ग्राम जैत की पंचायत समरस पंचायत है। इस पंचायत के सभी पंच और सरपंच निर्विरोध चुने गए हैं। ग्राम जैत से बुधनी जनपद पंचायत के वार्ड क्रमांक -13 से सदस्य का निर्वाचन भी निर्विरोध हुआ है। केवल जिला पंचायत के वार्ड क्रमांक-14 के उम्मीदवार के चुनाव के लिए मतदान आज हो रहा है। मुख्यमंत्री केवल जिला पंचायत सदस्य के चुनाव के लिए मतदान करेंगे।

भोपाल में बारिश, गुना में मकान गिरने से बच्चा गंभीर

भोपाल। गुना में बारिश की वजह से कच्चा मकान भरभराकर गिर गया। अलग-अलग कमरों में सो रहे 7 लोग दब गए। 6 साल के बच्चे समेत 5 से ज्यादा लोग घायल हो गए, जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बच्चे की हालत गंभीर बताई जा रही है। उसे भोपाल रेफर करने की तैयारी चल रही है। शीतला माता मंदिर के पास ढीमर कॉलोनी में राजाराम केवट (61) का परिवार 75 साल से इसी मकान में रह रहा था। 4-5 कमरों का कच्चा मकान था। एक हिस्से में राजाराम केवट, पत्नी के साथ रहते थे। दूसरे हिस्से में उनके बड़े भाई का बेटा कान्हा (50), पत्नी और बच्चों के साथ रहता था। उधर, मध्यप्रदेश में मौसम विभाग ने अगले 10 दिन तक बारिश का हैवी अलर्ट जारी किया है। दो सिस्टम एक्टिव होने से पूरा प्रदेश तरबतर हो जाएगा। भोपाल, इंदौर, उज्जैन और नर्मदापुरम (होशंगाबाद) संभाग में शुक्रवार को भी भारी बारिश के आसार हैं। भोपाल-उज्जैन में 4 इंच या इससे ज्यादा पानी गिर सकता है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक 11 से 17 जुलाई तक प्रदेश में इस सीजन की सबसे तेज बारिश होने के आसार हैं।

नाबालिग बच्चों से भीख मंगवाना कब दण्डनीय अपराध होगा जानिए/Juvenile Justice Act, 2015.....।

अक्सर हम बहुत से शहरों में देखते हैं कि छोटे छोटे बच्चे सड़क या मंदिर, मज्जिद या अन्य स्थानों पर भीख मांगते फिरते हैं इन बच्चों माता-पिता या कोई व्यक्ति इन्हें भीख मांगने के लिए मजबूर करता है तब ऐसे व्यक्ति के खिलाफ क्या कार्यवाही हो सकती है जानिए।

किशोर न्याय(बालको की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम,2015 की धारा 76 की परिभाषा?

1. कोई भी व्यक्ति किशोर बालको को भीख मांगने के उद्देश्य से नियोजित करता है या किशोर से भीख मंगवाएगा या भीख मंगवाने के लिए दुष्परेण(उकसाना) मात्र करेगा तब

ऐसे नियोजक (स्वामी जिसमे माता पिता या कोई भी संरक्षक भी हो सकता है) को पाँच वर्ष की कारावास एवं एक लाख रुपए के जुर्माने से दण्डित किया जा सकता है। लेकिन अगर कोई नियोजक किसी किशोर बालक के अंग-विच्छेद करता है अर्थात किसी भी प्रकार से विकलांग करके भीख मंगवाएगा जैसे आँखे फोड़ देना, हाथ या पाव की उंगली काट देना आदि तब ऐसे संरक्षक को अधिकतम दस वर्षों की कारावास एवं पांच लाख रुपये के जुर्माने से दण्डित किया जाएगा।

विशेष नोट- अगर बालक अपनी मर्जी से भीख मांगता है या किसी संरक्षक, भारसाधन के नियंत्रण से हट जाता है तब ऐसे बालक को जिला बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

- लेखिका श्रीमती ज्योति सिंह चौहान(महिला सामाजिक कार्यकर्ता एवं जिला ब्यूरो चीफ अलीगढ़ उत्तर प्रदेश)

दोस्त शिंजो आबे को PM मोदी की कराई थी वाराणसी की सैर, साथ में की थी गंगा आरती

जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे पर जानलेवा हमले की खबर से भारत भी सकते हैं। दरअसल शिंजो आबे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खास दोस्त हैं और जब भी दोनों राजनयिकों की मुलाकात होती थी तो दोनों में एक अलग ही गर्मजोशी देखने को मिलती थी। प्रधानमंत्री रहते हुए जब शिंजो आबे भारत आए थे तो प्रधानमंत्री मोदी उन्हें अपने साथ वाराणसी दर्शन के लिए भी लेकर गए थे और दोनों राष्ट्र प्रमुखों ने यहां साथ में गंगा आरती की थी। इस दौरान शिंजो आबे का भारतीय संस्कृति और सभ्यता के प्रति स्नेह सभी ने देखा था। शिंजो आबे ने पूरी आस्था के साथ क्करूमोदी के साथ गंगा आरती की थी। जब शिंजो आबे भारत से रवाना हुए थे तो उनके दोस्त यानी पीएम नरेंद्र मोदी ने भगवद् गीता भी भेंट की थी।

राजनयिक परिवार में जन्मे थे शिंजो आबे

जापान में शिंजो आबे के परिवार को काफी सम्मान से देखा जाता है। राजनयिक परिवार से संबंध रखने वाले शिंजो आबे का जन्म

टोक्यो में हुआ था। शिंजो आबे के दादा कॉन आबे और पिता शिंटारो अबे भी जापान के वरिष्ठ राजनेता रह चुके हैं। वहीं शिंजो आबे के परदादा भी योशिमा ओशिमा ने इंपीरियल जापानी सेना में जनरल के रूप में कार्य किया था। इसके अलावा शिंजो आबे की मां, योको किशी, 1957 से 1960 तक जापान के प्रधानमंत्री रह चुके नोबु से किशी की बेटी थी।

मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत रैली का आयोजन किया गया

पत्रकार बीआर अहिरवार नर्मदापुरम।। बुधवार को शासकीय नर्मदा महाविद्यालय मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत एक दिवसीय रैली का आयोजन किया गया यह कार्यक्रम श्रीमती डॉ इरा वर्मा मेम के नेतृत्व में एनएसएस एवं एनसीसी के छात्र-छात्राओं द्वारा नारे लगाए गए एवं लोगों को मतदान के प्रति जागरूक किया गया, प्राचार्य श्री डॉ ओ. एन. चौबे द्वारा रैली को झंडा दिखा आरम्भ किया गया, रैली में राष्टीय सेवा योजना के प्रभारी श्री दिवाकर सर एवं एनसीसी प्रभारी श्री राजदीप भदौरिया जी, श्री शिवाकांत मौर्य जी एवं जुगल किशोर , विजय मसराम, वैष्णवी सगोरिया , साक्षी साहू , शैलजा राजपूत, सिमरन धुर्वे, सरस्वती , केतन यादव, डॉली जोशी,सलोनी दुबे , महिमा शर्मा , चेतन सैनी आशीष मसकोले, अजय , एलेस एवं समस्त एनएसएस / एनसीसी छात्र-छात्रा रैली में शामिल हुए।

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम ,गतिविधि एवं शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया

पत्रकार बीआर अहिरवार नर्मदापुरम। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव एवं नगरीय निकाय चुनाव में मतदाताओं की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने हेतु निरंतर जिला निर्वाचन एवं एनएसएस इकाई द्वारा मतदाता जागरूकता कार्यक्रम ,गतिविधि एवं शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया तथा इसी श्रंखला में शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय नर्मदापुरम में प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन के मार्गदर्शन एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ हर्षा चचाने डॉ रीना मालवीय के नेतृत्व में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने छात्राओं को मतदान का महत्व बताते हुए बताया कि हमें अपना बहुमूल्य वोट सोच समझ कर देना चाहिए क्योकि इस पर हमारे देष का भविष्य निर्भर करता है। प्रत्येक निर्वाचन में वोट देकर जागरूक मतदाता होने का परिचय दे।

इस अवसर पर महाविद्यालय में उपस्थित एडीएम श्री मनोज कुमार ठाकुर ने पोस्टर प्रतियोगिता का अवलोकन कर छात्राओं को मतदान की महत्ता बताई तथा एक-एक वोट का महत्व है मतदान हमारे देश में किसी उत्सव से कम नहीं है। अतः इसमें हम सभी की भागीदारी होनी चाहिए। पोस्टर प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में डॉ. कंचन ठाकुर, डॉ श्रुति गोखले एवं डॉ रश्मि श्रीवास्तव उपस्थित रहे पोस्टर प्रतियोगिता में 12 छात्राओं ने सहभागिता की जिसमें प्रथम पायल बाबरिया, द्वितीय शिवानी धुर्वे एवं तृतीय स्थान पर रिया मेहरा एवं आकांक्षा चौधरी तथा सांत्वना पुरस्कार कुमकुम गौर को प्रदान किया गया।

तुम कहते हो तो बात है

वैशाली नारनवरे

तुम कहते हो तो बात है,
ना हो तुम कही, बेरंग रात है।
यूं तो कशीश सी निगाहों में बहुत कुछ कह जाते हो ,
दो कदम के फासले में कैसे रुक जाते हो।
कभी जिंदगी के पैमाने पर,
कभी सोचू कुछ उल्फत सा, फिर नजर तुम आते हो।
कभी सोचती हूं, बहुत हो गयी आंख मिचौली ,
फिर दरवाजे पर खड़ी दस्तक तुम दे जाते हो,
तुमसे बाते कर दिल भर आता ,
जिंदगी की राहों में कुछ अधूरा सा नजर आता है।।
तुम कहते हो तो बात है,
ना हो तुम कही , बेरंग रात है।।

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम मेहदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

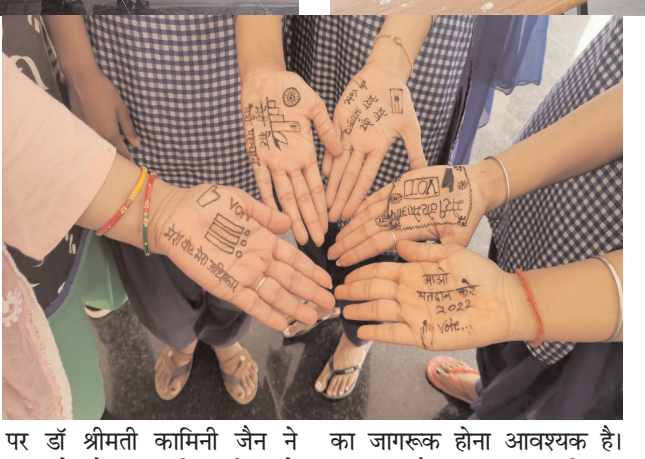

पत्रकार बीआर अहिरवार नर्मदापुरम। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव एवं नगरीय निकाय चुनाव में मतदाताओं की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने हेतु निरंतर जिला निर्वाचन एवं एनएसएस इकाई द्वारा मतदाता जागरूकता कार्यक्रम ,गतिविधि एवं शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया तथा इसी श्रंखला में शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय नर्मदापुरम में प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन के मार्गदर्शन एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ हर्षा चचाने डॉ रीना मालवीय के नेतृत्व में मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने छात्राओं को बताया कि वर्तमान में मजबूत लोकतंत्र के लिए मतदाता का जागरूक होना आवश्यक है। इस तरह के जागरूकता अभियान द्वारा हम निर्भीक होकर बिना दबाव, लालच के मतदान करें तथा लोगों को भी इस हेतु प्रेरित करें। देश के भावी नागरिक होने के नाते लोकतंत्र की आस्था बचाए रखना आवश्यक है तथा मतदाता की सक्रिय सहभागिता से ही हम लोकतंत्र को मजबूत बना सकते हैं। मुस्कान चौरे, शीतल बामने, शिवानी पटेल, प्राची तिवारी, आरती साहू, साक्षी कहार, अंजना कुशवाहा, षिवानी पचारे, ने मेहंदी प्रतियोगिता में भाग लिया। इस अवसर पर डॉ कंचन ठाकुर, डॉ अनिल रजक, श्री रफीक अली, डॉ. कीर्ति दीक्षित श्वेता, शीतल एवं छात्राएं उपस्थित थी।

बेबजह

काम करने बाले यू ही बेबजह
आँखों में चुभा नही करते

आग तो लगाई होगी अपनो ने धुंआ
बेबजह उठा नही करत

नदी का पानी उतरता देख समुंदर के
किनारे पर घर बनाया नही करते

मेरा काम ही तो किरदार है इसलिए
बेबजह हम सांपो से डर नही करते

जिनके चेहरे पर काले नकाब थे बेबजह
बो ही लोग आईना दिखाया नही करते

जिन हाथों में थमी थी पतबार मेरी बेबजह
जिंदगी की नाब में छेद किया नही करते

4 दिन बाज के ना उड़ने से आसमान
कबूतरों के नही हुआ करते

काम करने बाले बेबजह
दर्द की शिकायत मरहम से नही करते

मोहन मांढरे
विदिशा

इंकलाब

तू देखकर मंजर मेरे शहर का
उदास होता है,, तू क्या जाने यहां रहने
वाला कैसे जीता है,,।

दहशत में है हर इंसान यहां,
हर लम्हा वो परेशान यहां,
क्या जाने यहां रहने वाला,
कैसे सहता है,,।

सब्र भी अभी बाकी है और इम्तिहान भी
बाकी है,
तू क्या जाने किस किस तरह,
वो हर इम्तिहान से गुजरता होगा,,।

हमने तो अब दर्द को ही
हमदर्द बना लिया है साकी,
तू देख अभी और ,,
क्या-क्या इंतिहान है बाकी,,।

तू रुक तो सही,
ठहर तो अभी,
तू देख कर मंजर मेरे शहर का उदास
होता है,,
अभी मेरे शहर में इंकलाब आना बाकी
है,,,,,,,,,।।

मिनाक्षी विनोद
अहिरवार

जिसकी जितनी संख्या भारी,उसकी उतनी भागीदारी, जातिगत जनगणना से परहेज़ क्यो??

जातिगत जनगणना से
किनको है परहेज ?
जब देश में रखे हों
जातिवाद को सहेज
जातिगत जनगणना से
भारतीय समाज की
सही स्थिति सामने आयेगा
जिसकी जितनी संख्या
वह उतंने अधिकार पायेगा
भारत मेंस्ह्र,स्ष्,श्ड्डष्की
संख्या 85 प्रतिशत है
देश के संसाधनों पर
उनका कितना हक है?
आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक
विकास का स्तर क्या है?
स्ह्र,स्ष्,ह्रड्डष्की हालत
बद- से बद्तर क्यो है
जातिगत जनगणना से
किसी को क्यो है गुरेज?
देश में रखे हो क्यो
जातिवाद को सहेज?
जातिगत जनगणना से
फिर क्यो है परहेज?
15ब्र लोग
85ब्र लोगों की हिस्से
की मलाई खाते हो
हक की जब हम बात करें
हमें ही आंख दिखाते हो
जब सच सामने आने
की घड़ी आई तो
कहते हैं कि
जातिगत जनगणना से
देश में, जातिवाद बढ़ जायेगा
जब इतना ही फिक्र है
जातिवाद से
तो जातिवाद मिटाने
अभियान क्यो नही
चलाते हो
1931 के बाद से
जातिगत जनगणना
क्यो नही हुआ?
तो क्या हम समझे
कि देश में जातिवाद
छुआछूत मिट गया?
चलो इसी बात पर
जातिवाद मिटाने
क्या लाओगे अध्यादेश?
जातिगत जनगणना से
फिर क्यो है परहेज?
सबसे पहले समझना होगा
कि जातिवाद कौन है?
वर्ण व्यवस्था के नाम पर
शोषण किया
जातिवाद मिटाने के नाम पर
अब भी क्यो मौन है?
देश के निर्माण में
सभी वर्गों का योगदान है
फिर ये मुट्ठी भर सवर्ण
क्यो सबसे महान है?
जिसकी संख्या कम है
उनमें ही ज्यादा दम है
जो हमेशा से
कामचोर, मुफ्तखोर है
देश के हर व्यवस्था में
उनका ही जोर है
लोग कर्म की रोटी खाते है
ये पाखंड को भुनाते है
लोग पसीना बहा कमाते हैं
ये पत्थरपुजा से सब हथियाते
है
देश के निर्माण में बस
अपने ही योगदान बताते हैं
प्रकृति ने सबको एक बनाया
ये जातिवादी,प्रकृति के
नियम से करते हैं परहेज?
जन्म से इंसान सभी बराबर
कर्म से इंसान गुड़ और गोबर
सामंत जन्म को श्रेष्ठ बताते हैं
ब्राह्मण,क्षत्रिय,वैश्य ,शुद्र
क्या प्रकृति ने बनाया है?
ऐसे व्यवस्था तो
धुर्तो ने बनाया है
जिसकी जितनी संख्या भारी
उसकी उतनी हिस्सेदारी
इस सच को मानने से
क्यो होती है लाचारी
जातिवाद बनाने वालों
जातिभेद बनाने वालों
खुद को श्रेष्ठ बताने वालों
बहुतो को शुद्र बताने वालों
जातिगत जनगणना पर
अब दो उपदेश
जातिगत जनगणना से
क्यो है परहेज
जब देश में रखे हों
जातिवाद को सहेज।

विचार क्रांति
हरीश पांडल

शातिर बाईक चोर गिरफ्तार, 5 मोटरसाइकिल बरामद, चरचा पुलिस की कार्यवाही

कोरिया। जिले के चरचा थाना अंतर्गत काफी दिनों से क्षेत्र और आसपास के जिलों में घूम घूम कर मोटरसाइकिल चोरी करने वाले शातिर चोर को पुलिस ने गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त कर ली है। आरोपी के कब्जे से चोरी की 5 मोटरसाइकिल को भी जप्त कर लिया गया है। पूरे मामले की जानकारी देते हुए थाना प्रभारी चरचा अनिल साहू ने बताया कि प्रार्थी बाबु सिंह पिता बुटन सिंह निवासी शिवपुर कठौतियापारा चरचा थाना मे रिपोर्ट दर्ज कराकर बताया कि उसने 3 महीने पहले चरचा के ही रहने वाले राधेश्याम से हीरो होण्डा सुपर स्पलेण्डर मोटर सायकल क्रं. सीजी 16 डी 4241 खरीदा था।

1 मई 2022 को प्रतिदिन की तरह अपने घर के बाहर खडा किया था जिसे कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया है। प्रार्थी की रिपोर्ट पर अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया। क्षेत्र मे वाहन चोरी की लगातार हो रही घटना को देखते हुये

पुलिस अधीक्षक कोरिया प्रफुल्ल कुमार ठाकुर के निर्देश और अति. पुलिस अधीक्षक मधुलिका सिंह तथा उप पुलिस अधीक्षक कविता ठाकुर के मार्गदर्शन में लगातार आरोपी की तलाश की जा रही थी। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर संदेही आरोपी देवप्रसाद उर्फ अनिल पिता गोपाल सिंह उम्र 24 वर्ष निवासी ग्राम पतरापाली बैकुण्ठपुर को हिरासत में लेकर घटना के संबंध में पूछताछ करने पर हीरो होण्डा सुपर स्पलेण्डर मोटर सायकल क्रं. सीजी 16 डी 4241 कीमत करीब 15000 रुपये को चोरी करना स्वीकार करते हुये उसके अलावा अन्य चार वाहन हीरो ग्लैमर क्रं. सीजी 15 सी.एन. 1417 , हीरो ग्लैमर क्रं. सीजी 16 सी.जी. 9456, काले रंग का टी.व्ही.एस. बिना नं. और स्लेटी रंग का होण्डा स्कुटी सोल्ड को भी बलरामपुर और सुरजपुर के विभिन्न थाना क्षेत्रों से चोरी कर वाहन को अपने पास रखना बताने पर आरोपी के कब्जे से सभी गाड़ियां कुल कीमत लगभग 2,50000 रूपये को जप्त कर लिया गया।

आरोपी के विरूद्ध अपराध घटित करना पाये जाने से आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेज दिया गया है। सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना प्रभारी चरचा अनिल साहू, सहा. उप निरी. अमर जायसवाल, प्रधान आरक्षक प्रेमलाल टोप्पो, आरक्षक साकेत मरकाम, वसीम रजा, मधु राजवाडे, सैनिक विकास सिंह की सराहनीय भूमिका रही।

वाद विवाद प्रतियोगिता के माध्यम से बताया मतदान का महत्व

पत्रकार बीआर अहिरवार नर्मदापुरम। शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय नर्मदापुरम में जिला निर्वाचन एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान में मतदाता जागरूकता गतिविधि के अंतर्गत प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन के मार्गदर्शन एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. हर्षा चचाने, डॉ रीना मालवीय के नेतृत्व में वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। वाद विवाद का विषय है ''लोकतंत्र के विकास हेतु अनिवार्य मतदान'' विषय पर प्रतियोगिता कराई गई इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन छात्राओं को मतदान का महत्व बताते हुए बताया कि हमारी लोकतंत्र प्रणाली हर समय नागरिक को मताधिकार देती है अत: सभी इसका उपयोग सोच समझ कर करें पक्ष एवं विपक्ष में अपनी राय प्रस्तुत करते हुए छात्राओं ने बताया कि अनिवार्य मतदान मे सिद्धांत के साथ-साथ व्यवहारिक परेषानियॉ भी हैं भारत जैसे विशाल एवं समर्थ लोकतंत्र में हमें साधन और साध्य के बीच संतुलन कायम करने की जरूरत है विपक्ष में छात्राओं ने अपनी राय प्रस्तुत करते हुए बताया कि किसी भी चुनाव में मतदाताओं की शत प्रतिशत भागीदारी से ही क्या आदर्श लोकतंत्र स्थापित हो सकता है लोकतंत्र का मतलब सिर्फ मतदान ही नहीं है बल्कि अपने मौलिक कर्तव्यों का पालन भी करना है। पक्ष में प्रथम उमा उईके, द्वितीय मोनिका प्रजापति तृतीय कामिनी गहलोत स्थान प्राप्त किया। विपक्ष मे प्रथम स्थान आकांक्षा चौधरी, द्वितीय पायल बावरिया एवं तृतीय स्थान पूजा ने प्राप्त किया। इस अवसर पर डॉ किरण पगारे डॉ. वर्षा चौधरी, डॉ भारती दुबे निर्णायक के रूप में उपस्थित रहे एवं डॉ. कंचन ठाकुर, डॉ अनिल रजक, श्री रफीक अली, हेमंत चौधरी, डॉ. नीतू पवार और छात्राएं उपस्थित रहे।

आवारा कुत्तों के हमले से दो चीतलों की मौत

वन परिक्षेत्र कुंवारपुर में पहले भी हो चुकी है कई घटनाएं

कोरिया। जनकपुर–वन मंडल मनेंद्रगढ़ के अंतर्गत आने वाले वन परिक्षेत्र कुवांरपुर में आवारा कुत्तों के झुंड ने 2 चीतलों पर हमला कर दिया। कुत्तों के काटने से मौके पर ही दोनों चीतल की मौत हो गई। वन विभाग द्वारा पोस्टमार्टम कराकर उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया है। आपको बता दें कि रविवार की सुबह कोरिया

जिले के भरतपुर तहसील अंतर्गत वन परिक्षेत्र कुंवारपुर के पतवाही बीट में जंगल से भटककर दो चीतल शहर की ओर आ गये। जैसे ही आवारा कुत्तों के झुंड की नजर उन चीतलों पर पड़ी तो दौड़ा–दौड़ा कर उन्होंने उनका शिकार करना शुरू कर दिया। कुत्तों द्वारा जगह जगह काट देने के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। कुत्तों के काटने से चीतलों की मौत की सूचना मिलने पर वन विभाग के द्वारा पशु चिकित्सक की सहायता से पोस्टमार्टम कराकर उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया है। वनांचल क्षेत्र जनकपुर में संरक्षित वन्य प्राणी चीतल की मौत का यह पहला मामला नहीं है इससे पहले भी 17 जून को आवारा कुत्तों के झुंड ने एक वयस्क चीतल पर हमला कर दिया था जिससे उसकी भी मौत हो गई थी। जब इस संबंध में वनपरिक्षेत्राधिकारी कुंवारपुर राम सागर गुप्ता से जानकारी ली गई तो उन्होंने बताया कि कुत्तों के झुंड द्वारा आये दिन चीतल पर हमला करने के मामले में एसडीएम भरतपुर को एक पत्र लिखा गया है जल्द ही इस दिशा में ठोस प्रयास किया जायेगा।

विधायक कमरो की पहल पर छात्रावास पहुंच मार्ग हेतु 50 लाख मंजूर

सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त विधायक गुलाब के अथक प्रयास से राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2021-22 बजट में शामिल

भरतपुर-सोनहत। विधानसभा क्षेत्र स्थित जनकपुर में अनुसूचित जनजाति बालक छात्रावास आवास पारा पहुँच मार्ग सीमेंट कांक्रीट सड़क निर्माण कार्य हेतु 50 लाख रूपए की स्वीकृति प्रदान की गई है। छात्रों के हितों को ध्यान में रखकर राज्य सरकार द्वारा राशि मंजूर किए जाने पर विधायक ने मुख्यमंत्री वलोनिवि मंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया है। बता दें कि भरतपुर-सोनहत विधानसभा क्षेत्र में उत्थान, प्रगति व विकास केलिए राज्य सरकार नित नए आयाम गढ़ रही है। राज्य शासन द्वारा मंजूर की गई 50 लाख

की राशि से 500 मीटर लंबी पहुंच मार्ग में सीमेंट कांक्रीट सड़क निर्माण कार्य किया जाएगा। लंबे समय से अजजा बालक छात्रावास जनकपुर में पक्की सड़क की मांग की जा रही थी। कच्चा मार्ग होने की वजह से बरसातमें सड़क में कीचड़ व गड्ढों में पानी भर जाने से छात्रों के साथ उनके अभिभावकों को छात्रावास आने-जाने में परेशानियों का सामना करना पड़ता है। विधायक की पहल से यहां पक्की सीसी सड़क का निर्माण होने से छात्र सुगमतापूर्वक आवागमन कर सकेंगे। इसके लिए छात्रों व उनके अभिभावकों ने विधायक कमरो के प्रति

आभार व्यक्त किया है। विधायक गुलाब कमरो ने कहा कि किसानों, मजदूरों के हितों के साथ क्षेत्र की मूलभूत आवश्यकताओं पुल-पुलिया, सड़क, स्वास्थ्य सुविधाओं, शिक्षा व्यवस्था, पर्यटन व संस्कृति को ध्यान में रखते हुए प्राथमिकता से विकास कार्य कराए जा रहे हैं। साथ ही विधायक ने कहा कि मूलभूत सुविधाओं के साथ सड़क और पुल- पुलियों की सौगात से क्षेत्र में विकास को गति मिली है।

रास्ता रोककर लूटपाट करने वाले 4 गिरफ्तार, घटना में सहयोग करने वाले भी 4 पुलिस के शिकंजे में, लगातार हो रही थी लूटपाट की घटना

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर हुई गिरफ्तारी

कोरिया। झगराखाण्ड-जिले के झगराखाण्ड थाना अंतर्गत रात के अंधेरे में रास्ता रोककर मारपीट और लूटपाट करने के मामले में पुलिस ने 4 आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त कर ली है साथ ही लूटपाट का सामान खरीदने और बेचने के मामले में सहयोग करने वाले 4 अन्य लोगों को भी गिरफ्तार कर लिया गया है पूरे मामले की जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक कोरिया प्रफुल्ल कुमार ठाकुर ने बताया कि 6-7 जून 2022 की दरम्यानी रात नकाबपोश बदमाशों द्वारा प्रार्थी राकेश दीवान उम्र 28 वर्ष निवासी पनिहा दफाई झगराखाण्ड को पुरानी लेदरी जंगल में मोटर सायकल रोकवा कर उसे अंदर जंगल में ले जाकर विडियो कैमरा एवं डीएसएलआर कैमरा कीमत लगभग 1 लाख 50 हजार रूपये को लूट लिया गया। इसी तरह 2-3 जुलाई 2022 की दरम्यानी रात को भी नकाबपोश बदमाशों के द्वारा खोंगापानी पुरानी लेदरी की तरफ से आते प्रार्थी रामदयाल यादव आ. सुग्रीव यादव उम्र 27 वर्ष निवासी पाराडोल बोदरापारा को रात में पुरानी लेदरी जंगल मे डण्डे से मारकर मोटर सायकल क्रमांक छ्त्त16 छ्रु5312 कीमत लगभग 25000 रूपये एवं नगद 4150 रूपये कुल 29150 रूपये लूट लिये। इस घटना के पूर्व 2 जुलाई 2022 को करीब 11.30 बजे पीड़ित आकाश दीवान आ. स्व. रामगोपाल दीवान जाति पनिका उम्र 34 वर्ष निवासी वार्ड नं. 09 आजाद वार्ड नई लेदरी को भी इसी स्थान पर अज्ञात नकाबपोश बदमाशों द्वारा लाठी ठण्डा से मारपीट कर उससे मोबाईल, स्मार्ट वॉच, सोने की अंगुठी, चांदी का चैन कुल 30000 रूपये को लूट लिया गया था। एक ही स्थान पर लगातार हुये 2 लाख से ज्यादा की सम्पत्ति की लूट होने और मारपीट किये जाने से थाना झगराखाण्ड क्षेत्र में काफी भय और आकोश व्याप्त हो गया था। थाना झगराखाण्ड को अज्ञात आरोपियों द्वारा दी जा रही खुली चुनौती को स्वीकार करते हुये पुलिस महानिरीक्षक अजय कुमार यादव सरगुजा रेंज द्वारा लूटपाट करने वाले अज्ञात गिरोह की जल्द से जल्द तलाश कर त्वरित कार्यवाही करने के लिये निर्देशित किया गया। पुलिस अधीक्षक कोरिया प्रफुल्ल कुमार ठाकुर के निर्देश पर अति. पुलिस अधीक्षक मधुलिका सिंह के मार्गदर्शन में एवं एस.डी.ओ.पी. मनेंद्रगढ़ राकेश कुर्रे के दिशा निर्देश में थाना प्रभारी झगराखाण्ड प्रद्युम्न तिवारी के नेतृत्व में विशेष टीम बनाकर आरोपियों की तलाश शुरू की गई। विशेष तैयार पुलिस टीम द्वारा लेदरी, खोंगापानी, राजनगर, रामनगर, बिजुरी पौराधार में आरोपियों की मिलती जुलती हुलिया से संदिग्धों के रूप में उक्त आरोपियों की पहचान शुरू की गई। इसी दौरान ये जानकारी मिली की अभी हाल ही में लूट मामले में थाना रामनगर के कुछ आरोपीगण जेल से बाहर आये है। इनके द्वारा लगातार वारदात करने का संदेह होने पर आरोपियों को हिरासत में लेकर गहन पुछताछ की गई। पुछताछ के दौरान दीपक विश्वकर्मा उर्फ सनम आ. राजाराम विश्वकर्मा उम्र 20 वर्ष निवासी वार्ड नं. 02 सब ऐरिया बंगला के पीछे पौराधार थाना रामनगर जिला अनूपपुर (म0प्र0) ,धरम साय चौहान आ. सावत चौहान उम्र 20 वर्ष निवासी वार्ड नं. 02 सब ऐरिया बंगला के पीछे पौराधार थाना रामनगर जिला अनूपपुर , शनि विश्वकर्मा आ. कृष्णा विश्वकर्मा उम्र 18 वर्ष निवासी वार्ड नं. 02 सब ऐरिया बंगला के पीछे पौराधार थाना रामनगर जिला अनूपपुर और अजय चौहान उर्फ बाबा आ. अवधेश चौहान उम्र 26 वर्ष निवासी वार्ड नं. 02 सब ऐरिया बंगला के पीछे, पौराधार थाना रामनगर जिला अनूपपुर द्वारा लगातार लूट की वारदात करना स्वीकार किया गया। प्रकरण में गिरफ्तार आरोपियों के द्वारा दिये गये बयान के आधार पर आरोपी ओम प्रकाश शाह निवासी पौराधार के पास से पैनासोनिक कंपनी का वीडियो कैमरा और आरोपी विक्रम साहू निवासी मनेन्द्रगढ़ के कब्जे से निकोन कंपनी का डीएसएलआर कैमरा बरामद कर जप्त कर लिया गया। प्रार्थी आकाश दीवान से लूटी गई मोटर सायकल सी.जी. 16 सीएल 5312 को आरोपी शनम उर्फ दीपक विश्वकर्मा से बरामद कर जप्त किया गया। आरोपियों के कब्जे से लूटी हुई सम्पत्ति स्मार्ट वॉच, चांदी की चैन बरामद कर सोने की अंगूठी खरीदने वाले आरोपी सैफूददीन शेख से आरोपी सूरज दास ने चांदी का 2 नग पायल सोने की चैन बेचकर खरीदा था।

सड़क दुर्घटना में 1 की मौत,4 घायल

कोरिया। जिले के केल्हारी थाना अंतर्गत ग्राम ढोड़की में हुए सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई है वही दो मासूमों सहित चार लोगों को गंभीर अवस्था में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार केल्हारी निवासी एक युवक अपनी पत्नी और 2 बच्चों को मोटरसाइकिल में बैठाकर ग्राम दैहाडांड एक दशगात्र के कार्यक्रम में जा रहा था। इसी समय एक युवक अकेले मोटरसाइकिल से केल्हारी की ओर आ रहा था। आमने सामने हुई बाइक की ठोकर के बाद सभी लोग सड़क पर ही गिर गये। टक्कर इतनी जबरदस्त थी की बाइक सवार युवक 28 वर्षीय मनमोर चेरवा निवासी केल्हारी की मौके पर ही मौत हो गई। उसकी पत्नी और 2 बच्चों सहित एक अन्य बाइक सवार युवक सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गये। ग्रामीणों की सहायता से उन्हें बेहतर उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है। फिलहाल घायलों की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।

अज्ञात कारणों से युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

जनकपुर के बरहोरी की घटना

कोरिया। जनकपुर-जिले के जनकपुर थाना अंतर्गत ग्राम बरहोरी में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। सुबह घर वालों को जब इस बारे में जानकारी हुई तो तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। फिलहाल मौत के कारणों का पता नहीं चल सका है। मिली जानकारी के अनुसार जनकपुर थाना के ग्राम बरहोरी में रहने वाले सुनील बैगा पिता समय लाल बैगा उम्र 24 वर्ष ने बुधवार की सुबह लगभग 6 बजे अपने घर की परछी में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह जब घरवाले सो कर उठे तो उन्हें घटना के बारे में जानकारी मिली। ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस थाना जनकपुर में दी जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को उतार कर पंचनामा कार्रवाई करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है। युवक ने किन कारणों से आत्महत्या की है फिलहाल इसका पता नहीं चल सका है।

मुख्यमंत्री जी से फरियाद - गैर शैक्षणिक कार्य से शिक्षको को मुक्त रखा जावे

- **शिक्षा गुणवत्ता हेतु शिक्षक कटिबद्ध - शिक्षकों को स्वतंत्र किया जावे**
- **शिक्षक निकम्मा नही - 2 लाख शिक्षक व परिवार का सम्मान रखा जावे**
- **उत्कृष्ट शिक्षा के लिए शिक्षक, बालक, पालक व विभागीय नीति की संयुक्त भूमिका**

कोरिया। छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष संजय शर्मा ने माननीय मुख्यमंत्री व मुख्यसचिव छत्तीसगढ़ शासन को पत्र देकर प्रमुख सचिव, स्कूल शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा शिक्षकों के लिए निकम्मा कहने पर आपत्ति दर्ज करते हुए शिक्षा गुणवत्ता हेतु शिक्षकों को स्वतंत्र करने तथा गैर शैक्षणिक कार्यों से शिक्षकों को मुक्त रखने की मांग की है। छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष संजय शर्मा, प्रदेश संयोजक सुधीर प्रधान, वाजिद खान, प्रदेश उपाध्यक्ष हरेंद्र सिंह, देवनाथ साहू, बसंत चतुर्वेदी, प्रवीण श्रीवास्तव, विनोद गुप्ता, डॉ कोमल वैष्णव, प्रांतीय सचिव मनोज सनाढ्य प्रांतीय कोषाध्यक्ष शैलेन्द्र पारीक ने कहा है कि प्रमुख सचिव, स्कूल शिक्षा विभाग,छत्तीसगढ़

शासन द्वारा शिक्षकों के लिए निकम्मा कहा गया, यह शिक्षकों का अपमान है। शिक्षा गुणवत्ता हेतु शिक्षक निरन्तर प्रयासरत रहते है, उत्कृष्ट शिक्षा के लिए शिक्षक, बालक, पालक व विभागीय नीति की संयुक्त भूमिका होती है, उसके उपरांत भी शिक्षकों के सम्बंध में प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा दिया गए बयान से शिक्षक हतोत्साहित है। अतः गैर शैक्षणिक कार्यों से शिक्षकों को मुक्त रखते हुए शिक्षा गुणवत्ता हेतु शिक्षकों को स्वतंत्र रखा जावे व शिक्षको के सम्मान की रक्षा किया जावे। प्रदेश अध्यक्ष संजय शर्मा ने कहा कि उत्कृष्ट शिक्षा पर शिक्षको को क्या वित्तीय लाभ मिला,? फिर निम्न शिक्षा पर सजा कैसे,? शिक्षको के लिए निकम्मा शब्द निंदनीय है। छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन कोरिया जिलाध्यक्ष बिरेन्द्र बहादुर तिवारी ने प्रदेश अध्यक्ष संजय शर्मा के वक्तव्य का समर्थन करते हुए कहा है कि राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ की शिक्षा को सराहने पर शिक्षको को कोई लाभ नही दिया गया, तब अधिकारियों ने वाहवाही लूटी, अब निम्न स्तरीय शिक्षा पर सजा की बात विभाग कैसे कर सकता है,? उत्कृष्ट शिक्षा पर अन्य विभाग जैसे विशेष भत्ता, आउट ऑफ टर्न प्रमोशन व प्रोत्साहन राशि क्यो नही दिया गया,? शिक्षको का प्रतिनिधित्व शिक्षक कर्मचारी संघ करते है, उनसे सुझाव लेकर शिक्षा का क्रियान्वयन क्यो नही किया जाता,? विभाग को दिए गए सुझाव पर कभी अमल क्यो नही किया शिक्षा विभाग ने,? अच्छे परीक्षाफल वाले शिक्षको को अतिरिक्त वेतनवृद्धि क्यो नही दिया गया,? ऐसे ही कई विषय है जिस पर शिक्षा विभाग को चर्चा करना चाहिए,? विभाग हमेशा से एकतरफा निर्णय करते है और शिक्षको पर दोष मढ़ा जाता है, निम्मनतम शिक्षा स्तर के लिए पूरे विभाग की जिम्मेदारी है और खास कर अधिकारियों की है क्योंकि समय रहते गुणवत्ता की सही मॉनिटरिंग नही की गई और एनजीओ के सुझाव के अनुसार कई प्रयोग किये गए। 30 जून को आयोजित राज्य स्तरीय वेबिनार में शिक्षा सचिव महोदय के द्वारा शिक्षा की गुणवत्ता पर चिंता व्यक्त करते हुए पूरा दोषारोपण शिक्षको पर ही कर दिया गया, जो कि आपत्तिजनक है। बालक, पालक व शिक्षा विभाग की नीति व कार्य पर समीक्षा कर जिम्मेदारी तय नही किया गया। शिक्षा को प्रभावित करने वाले बहुत से उत्तरदायी कारण है जिन पर गहन चिंतन होना चाहिए। केवल शिक्षक को दोषी ठहरा कर शिक्षा सचिव द्वारा ठीकरा फोड़ने का कार्य किया जा रहा है,,इससे गुणवत्ता सुधार कार्य में न तो समाधान मिले सकेगा और न ही ये उच्चाधिकारी अपने उत्तरदायित्वों से बच पाएंगे। शिक्षको को ग़ैरशिक्षकीय कार्य दिया जाता, कार्यालयीन दस्तावेजी कार्य की भरमार है, जिससे शिक्षको को अध्यापन का पूरा समय नही मिलता है, ऐसे सभी कार्य से शिक्षक को मुक्त कर शिक्षा में गुणवत्ता लाने पहल किया जावे, शिक्षक उत्कृष्ट शिक्षा के लिए कटिबद्ध है, पर विभाग शिक्षको के सुझाव को लागू तो करे।

बस चालक ने युवक के पैर पर चढ़ाया पहिया, बुरी तरह घायल

बेगमगंज। नगर के नए बस स्टैंड पर सड़क किनारे खड़े के युवक के पैर पर तेज रफ्तार बस चालक ने अगला पहिया चढ़ाकर बुरी तरह घायल कर दिया। जिसे गंभीर अवस्था में भोपाल रेफर किया गया है। सूत्रों के मुताबिक नया बस स्टैंड पर दोपहर 3:30 बजे विनोद कुमार लोधी पिता चरण सिंह लोधी साइड से खड़ा हुआ था कि भोपाल से सागर जाने के लिए आई तेज रफ्तार बस शक्ति बस सर्विस एमपी ब 09 पीए 0156 के चालक अकरम खां ने लापरवाहीपूर्वक बस का अगला पहिया विनोद कुमार लोधी पिता चरण सिंह लोधी के दाएं पैर पर चढ़ा दिया। जिससे कि पहिए के नीचे पांव का पूरा पंजा दबकर बुरी तरह कुचल गया। घटना के समय बस स्टैंड पर चीख-पुकार मच गई। लोगों के बताने पर कि एक युवक पर बस का पहिया चढ़ गया है तो बस चालक अकरम ने बस को पीछे किया । तब कहीं जाकर युवक का पैर बाहर आ सका। मौका पाकर बस चालक तेजी से बस लेकर सागर की और फरार हो गया। घटना की सूचना दुर्घटनाग्रस्त युवक विनोद लोधी के मामा के पुत्र बृजेंद्र लोधी ने अपने पिता शिक्षक मान सिंह लोधी को मोबाइल पर इसकी सूचना दी। तब वह अपने स्कूल ग्राम सुनेहरा में थे जो तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे तो उन्हें पता चला कि गंभीर रूप से घायल उसके भांजे विनोद कुमार को बस स्टैंड से मतीन खान नामक युवक सिविल अस्पताल लेकर पहुंचा है और भर्ती कराया है। शिक्षक मान सिंह लोधी भी तब तक अस्पताल पहुंच चुके थे । उन्होंने घटना की सूचना पुलिस को देकर मामला दर्ज करवाया। डाक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद युवक की गंभीर हालत को देखते हुए हमीदिया अस्पताल भोपाल रेफर कर दिया है। थाना प्रभारी राजपाल सिंह जादौन ने बताया कि शिक्षक मान सिंह लोधी की रिपोर्ट पर फरार बस चालक आरोपित अकरम खां के खिलाफ अधिनियम 1860 की विभिन्ना धाराओं में 279, 337, 338 भादसं के तहत मामला दर्जकर विवेचना में लिया है और बस चालक की गिरफ्तारी एवं बस की जब्ती की कार्रवाई की जा रही है।

प्रस्तावित अंबिका खदान के प्रभावितों ने घेरा महाप्रबंधक कार्यालय

कोरबा। एसईसीएल की प्रस्तावित अंबिका खदान के प्रभावितों ने रैली निकाली कर महाप्रबंधक कार्यालय का घेराव किया। प्रभावितों का कहना है कि रोजगार, मुआवजा, बसाहट व आंशिक अधिग्रहण के संबंध में चर्चा कर पहले उनकी मांग पूरी की जाए। इसके बाद ही जमीन में खदान खोलने अनुमति दी जाएगी। पाली ब्लाक अंतर्गत ग्राम करतली में साउथ इस्टर्न कोलफिल्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) कोरबा क्षेत्र द्वारा ओपनकास्ट अंबिका खदान खोली जा रही है। इस परियोजना के अधिकांश प्रभावितों ने मुआवजा ले लिया है, पर कुछ लोगों ने अभी भी नहीं लिया है। उर्जाधानी भूविस्थापित किसान कल्याण समिति ने प्रभावितों की विभिन्ना मांग को लेकर बुधवार को मुड़ापार से महाप्रबंधक कार्यालय तक रैली निकाली। प्रदर्शन करने के बाद प्रबंधन को ज्ञापन सौंपा। इसमें कहा गया है कि अंबिका खदान के लिए जमीन अधिग्रहण के बाद करतली के ग्रामीण रोजगार, मुआवजा, पुर्नवास व आंशिक अधिग्रहण की समस्या से संघर्ष रहे हैं। इसका प्रबंधन निराकरण नही कर रहा है । करतली के छोटे-बड़े सभी खातेदार बेहतर तरीके से जीवकोपार्जन करते आ रहे हैं। जिला पुर्नवास समिति द्वारा कोल इंडिया पालिसी 2012 लागू करने के बाद छोटे खातेदार रोजगार से वंचित हो गए हैं। ग्राम के 684 खातेदारों के 310 एकड़ जमीन का अर्जन किया गया है, इसमें केवल 59 डिसमिल से अधिक रकबा वाले 155 खातेदार को रोजगार प्रदान किया जा रहा। ग्राम के 529 खातेदार को रोजगार प्रदान नही किया जा रहा है। इसमें लगभग 96-97 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति वर्ग से है। छत्तीसगढ़ राज्य की पुनर्वास नीति को लागू नहीं किया जा रहा है। ग्रामीण शुरू से ही कोल इंडिया पालिसी 2012 का विरोध कर रहे हैं। करताली के लोगों को भूमि एवम अन्य परिसंपत्तियों का मुआवजा भुगतान 2016 के बाद किया गया है। ग्रामीणों को मुआवजा निर्धारण की जानकारी मौखिक रूप से वर्ष 2016 में हुई है । नियमानुसार कोयला मंत्रालय दिल्ली के अनुसार सितंबर 2015 के बाद मुआवजा निर्धारण होने पर लार कानून का पालन करते हुए मुआवजा भुगतान करना था, जो नहीं किया गया है। इस दौरान ब्रजेश श्रीवास, गजेंद्र सिंह ठाकुर, जयपाल सिंह खुसरो, शंकर सिंह,प्रकाश कोर्राम, ललित महिलांगे नंद कुमार, संतोष चौहान, रामकुमार, बसंत कंवर, सनत राम, सीताराम, शिवनारायण, भोक सिंह, गेंदराम ,बिरजू ,रघुनंदन ,सहस राम, राम कुंवर, बिमला बाई, सुखमती, मीरा बाई, फूल कुंवर, रामायण बाई, राजकुमारी, प्रीतम बाई, रमला बाई ,सुकवारा बाई, राजकुमारी टेकाम, शिवकुमारी, शांति बाई, टिकैटिन बाई, सुमित्रा बाई सलाम, प्रमिला बाई, सीमा मराबी ,जसोदा बाई प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

सिंगल यूज प्लास्टिक की थैलियों को नप अमले ने जब्त किया

गैरतगंज। शासन द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक की सामग्री बैन कर दिए जाने के बाद स्थानीय प्रशासन द्वारा अभियान चलाकर इसके उपयोग को रोकने के लिए कार्रवाई शुरू कर दी गई है। शनिवार को हाट बाजार के दिन एसडीएम एवं सीएमओ ने बाजार में दुकानों पर पहुंचकर इसको रोकने की कार्रवाई की।

शासन द्वारा सिंगल प्लास्टिक से तैयार होने वाली 19 प्रकार की सामग्री को एक जुलाई से पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया गया है। इससे बनने वाले पालीथिन एवं अन्य प्रकार के उत्पादों को उपयोग में लेने की मनाही की गई है। सिंगल प्लास्टिक यूज बैन होने के बाद नगर परिषद प्रशासन द्वारा इसके विरुद्ध अभियान शुरू कर इसके उपयोग को प्रतिबंधित किए जाने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। 1 जुलाई से ही नगर परिषद

के अमले ने उपयोग होने वाली सामग्री की जब्ती एवं चालानी कार्रवाई की। शनिवार को नगर में हाट बाजार के दिन एसडीएम रवीश श्रीवास्तव एवं सीएमओ रितु मेहरा ने बाजार में दुकानों पर पहुंचकर दुकानदारों को सिंगल यूज प्लास्टिक सामग्री के प्रतिबंधित होने की वजह से इसका उपयोग न करने की समझाइश दी। वहीं दुजानों में मौजूद सामग्री को जब्त किया। कई दुकानों पर इस मुद्दे पर चालानी कार्रवाई कर जुर्माना भी वसूल किया गया। सीएमओ रितु मेहरा का कहना है कि दुकानदार शासन के अभियान में सहयोग कर सिंगल यूज का प्लास्टिक की सामग्री का उपयोग न करें साथ ही नागरिक भी इसके दुष्परिणामों के मद्देनजर इसका बहिष्कार करें। सीएमओ ने बताया कि इससे होने वाला कचरा मानव जीवन के लिए खतरनाक है। नप अमले के सदस्य नारायणसिंह गुर्जर, दिनेश दुबे, फईम खां, रामबाबू परिहार व राजाराम अहिरवार आदि ने इस मौके पर दुकानों से सामग्री जब्ती की कार्रवाई की। नगर परिषद द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक सामग्री के प्रयोग को हतोत्साहित करने के लिए नगर में मुनादी कराकर जागरूकता का प्रसार भी शुरू किया गया है।

कन्हैया लाल हत्याकांड के विरोध में बंद रहा सफल

सर्व हिंदू समाज की अपील पर हजारों लोग सड़क पर उतरे

आतंकवाद का किया गया पुतला दहन

कोरिया/मनेंद्रगढ़। उदयपुर की घटना के विरोध में शनिवार को कोरिया जिले सहित मनेंद्रगढ़ और आसपास के क्षेत्रों में अधिकतर बाजार बंद रहे। बंद का आह्वान विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल और सर्व हिंदू समाज ने किया था। उदयपुर में दर्जी की हत्या के विरोध में बुलाए गए बंद को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे । विहिप नेताओं ने कहा कि बंद पूरी तरह सफल रहा। सभी बाजार बंद रहे लोगों ने स्वयं आगे आकर बंद को समर्थन दिया।

जयपुर की घटना के विरोध में मंगल बाजार पूर्णता बंद

हत्याकांड के विरोध में बंद के मद्देनजर शनिवार को सुबह से ही सर्व हिंदू समाज के पदाधिकारियों ने पैदल बाजार में घूम कर सभी व्यापारियों से बंद को सफल बनाने की अपील की। स्थानीय दुकानदारों ने भी विरोध दर्ज कराते हुए स्वयं अपने प्रतिष्ठान बंद रखने का निर्णय लिया और बाजार बंद पूरी तरह सफल रहा। हजारों की संख्या में जुटे हिंदू धर्म प्रेमियों द्वारा पहले तो सभी से शांतिपूर्ण तरीके से बंद को सफल बनाने का अनुरोध किया गया। इसके बाद हत्याकांड में शामिल दोनों आरोपियों के विरुद्ध में

आतंकवाद का पुतला दहन किया गया और दोनों आरोपियों को फांसी की सजा देने की मांग की गई। शहर में मुख्य बाजार के अलावा आमाखेरवा बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, मोहरपारा , खेड़िया तिराहा, चैनपुर, लालपुर, अहमद कॉलोनी में बंद पूरी तरह सफल रहा।

आखिर क्या है पूरा मामला

आपको बता दें कि उदयपुर के धानमंडी थाना क्षेत्र में मंगलवार को दर्जी कन्हैयालाल की विशेष समुदाय के दो युवकों ने हत्या कर दी थी। घटना के बाद से ही पूरे देश में लोगों का आक्रोश बरकरार था। कन्हैयालाल हत्याकांड के बाद विरोध स्वरूप विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल और सर्व हिंदू समाज द्वारा बाजार बंद का आह्वान किया था।

हर स्थिति से निपटने पुलिस रही तैनात

थाना प्रभारी मनेंद्रगढ़ सचिन सिंह ने बताया कि सभी अधिकारी बाजार की स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुख्ता सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। बाजार बंद है और स्थिति शांतिपूर्ण बनी हुई है। हम स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं।

संपादकीय

बार-बार रणनीतिक चूक का शिकार होते जा रहे हैं अखिलेश यादव

समाजवादी पार्टी अखिलेश यादव के नेतृत्व में लगातार चुनाव पर चुनाव हारती जा रही है, बल्कि कड़वी सच्चाई यह है कि अब राजनीति के गलियारों में यह चर्चा आम हो गई है कि अखिलेश में सियासी समझदारी कम और अकड़बाजी ज्यादा है। अपने इर्दगिर्द की चौकड़ी के बीच घिरे रहते हैं। सोशल मीडिया से निकलकर जमीन पर उतरते नहीं हैं, इसलिए जमीनी हकीकत से भी अंजान हैं। विरोध के नाम पर सरकार के सभी फैसलों का विरोध अखिलेश की सियासत का शगल बन गया है। राजनीति में शिष्टाचार जरूरी है, यह मूल मंत्र भी अखिलेश भूल गए हैं, गत दिनों विधानसभा के अंदर नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने जिस तरह से डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या के पिताजी को लेकर अभद्र भाषा का प्रयोग किया वह इसलिए तो दुखद था ही क्योंकि मौर्या के पिता का कभी भी राजनीति से कोई लेना-देना नहीं रहा है, इससे भी बड़ी बात यह है कि उनकी मृत्यु भी काफी पहले हो चुकी है। अखिलेश के विरोधी तो यहां तक कहने लगे हैं कि बड़ों का अपमान करना अखिलेश के संस्कार बन गए हैं, वह डिप्टी सीएम मौर्या के पिता ही नहीं अपने पिता और चाचा को भी सार्वजनिक रूप से अपमानित कर चुके हैं, जिन बसपा सुप्रीमों मायावती को वह (अखिलेश) बुआ कहकर बुलाते थे, उनके साथ भी 2019 के लोकसभा चुनाव के समय किया गया गठबंधन टूटने के बाद सपा प्रमुख का व्यवहार काफी खराब रहा था। 2019 में बसपा-सपा साथ-साथ चुनाव लड़े तब अखिलेश को मायावती में कोई बुराई नहीं लगती थी और अब गठबंधन टूटने के बाद इसी वर्ष हुए विधानसभा चुनाव में वह राजनैतिक फायदा लेने के लिए बसपा सुपीमो के खिलाफ अनाप-शनाप बयान देने के साथ ही बसपा को भाजपा की बी टीम बताने लगे। यह और बात है कि इतना सब होने के बाद भी अखिलेश अपनी पार्टी का भला नहीं कर पा रहे हैं। पहले तो वह सपा की दुर्दशा के लिए पार्टी के वरिष्ठ नेताओं पर तोहमत लगा दिया करते थे, लेकिन अब जबकि इसी वर्ष हुए विधानसभा चुनाव में पार्टी की कमान पूरी तरह से अखिलेश के हाथ में थी, तब भी समाजवादी पार्टी का कोई खास भला नहीं हुआ। यूपी चुनाव 2022 के समय समाजवादी पार्टी की तरफ से सरकार बनाने के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे थे। अखिलेश ने अपनी चुनावी रणनीति के अनुसार तमाम उन छोटे दलों को साथ लिया जो किसी न किसी स्थिति में वोट काटने की क्षमता रखते थे। इसके बाद भी सपा सरकार बनाने के आंकड़े के आधा सीटों पर ही जीत दर्ज करने में कामयाब हुई। सवाल खड़े होने लगे तो अखिलेश ने दिल्ली की सियासत छोड़ यूपी पर फोकस करने का मन बनाया। आजमगढ़ लोकसभा सीट से इस्तीफा देकर यूपी की राजनीति में कूद पड़े, लेकिन लोकसभा उप चुनाव के परिणाम उनके लिए परेशानी का सबब बन गए।

दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी BJP आखिर मुस्लिमों के लिए बड़ा दिल दिखाते हुए उन्हें टिकट क्यों नहीं देती?

भाजपा के विरोधी यह भी कहते हैं कि भगवा पार्टी मुसलमानों को चुनाव में टिकट नहीं देती और उन्हें मंत्री भी नहीं बनाती। यह आरोप तब और लगाये जाने लगे जब भाजपा के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी को केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा देना पड़ा।

देखा जाये तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आठ साल के अब तक के कार्यकाल में यह पहला मौका है, जब मुस्लिम समुदाय से ताल्लुक रखने वाला एक भी सदस्य उनकी मंत्रिपरिषद का हिस्सा नहीं है। यही नहीं, संसद के दोनों सदनों में भाजपा के 395 सदस्य हैं लेकिन इनमें से एक भी सदस्य मुस्लिम समुदाय का नहीं है।

जहां तक संसद में भाजपा का एक भी सदस्य ना होने की बात है तो संसद में भाजपा के मुस्लिम सदस्यों की मौजूदगी हमेशा बेहद कम ही रही है। नकवी तीन बार राज्यसभा के सदस्य रहे जबकि एक बार वह रामपुर से चुनाव जीतकर लोकसभा भी पहुंचे। भाजपा भले दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी हो लेकिन इसके बारे में कुछ लोग प्रचारित करते हैं कि यह मुस्लिमों के खिलाफ रहती है।

भाजपा के विरोधी यह भी कहते हैं कि भगवा पार्टी मुसलमानों को चुनाव में टिकट नहीं देती और उन्हें मंत्री भी नहीं बनाती। यह आरोप तब और लगाये जाने लगे जब भाजपा के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी को केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा देना पड़ा। देखा जाये तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आठ साल के अब तक के कार्यकाल में यह पहला मौका है, जब मुस्लिम समुदाय से ताल्लुक रखने वाला एक भी सदस्य उनकी मंत्रिपरिषद का हिस्सा नहीं है। यही नहीं, संसद के दोनों सदनों में भाजपा के 395 सदस्य हैं लेकिन इनमें से एक भी सदस्य मुस्लिम समुदाय का नहीं है। जहां तक नकवी के केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफे की बात है तो हम आपको बता दें कि पिछले महीने 15 राज्यों की 57 राज्यसभा सीटों पर चुनाव हुआ था। जिन 57 सदस्यों का राज्यसभा में कार्यकाल खत्म हो रहा था उनमें नकवी के अलावा भाजपा सांसद एमजे अकबर और सैयद जफर इस्लाम भी शामिल थे। भाजपा ने इन तीनों ही मुस्लिम नेताओं को दोबारा राज्यसभा का उम्मीदवार नहीं बनाया। हम आपको याद दिला दें कि वर्ष 2014 का लोकसभा चुनाव जीतने के बाद मोदी जब पहली बार प्रधानमंत्री बने थे तो उनकी मंत्रिपरिषद में मुस्लिम समुदाय के प्रतिनिधि के तौर पर नजमा हेपतुल्लाह और मुख्तार अब्बास नकवी को शामिल किया गया था। नजमा हेपतुल्लाह को अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय का कैबिनेट मंत्री और नकवी को राज्यमंत्री बनाया गया था। 2016 में जब नजमा हेपतुल्लाह को मणिपुर का राज्यपाल बनाया गया तब नकवी को पदोन्नत कर कैबिनेट मंत्री बनाया गया था। वर्ष 2016 में ही मध्य प्रदेश से राज्यसभा

के सदस्य एमजे अकबर को विदेश मंत्रालय में राज्यमंत्री बनाया गया था। हालांकि एक महिला पत्रकार द्वारा लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों के बाद उन्हें मंत्रिपरिषद से इस्तीफा देना पड़ा था।

मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में वह पहले मंत्री थे जिन्हें इस प्रकार पद छोड़ना पड़ा। एमजे अकबर के इस्तीफे के बाद नकवी ही अभी तक केंद्रीय मंत्रिपरिषद में मुस्लिम समुदाय के प्रतिनिधि थे। उधर, जहां तक संसद में भाजपा का एक भी सदस्य ना होने की बात है तो संसद में भाजपा के मुस्लिम सदस्यों की मौजूदगी हमेशा बेहद कम ही रही है। अब लंबे अरसे बाद ऐसा हो रहा है कि संसद में भाजपा का कोई मुस्लिम सदस्य नहीं होगा। भाजपा के मुस्लिम नेताओं की बात करें तो नकवी तीन बार राज्यसभा के सदस्य रहे जबकि एक बार वह रामपुर से चुनाव जीतकर लोकसभा भी पहुंचे। नजमा हेपतुल्लाह दो बार राज्यसभा की सदस्य बनीं। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की मंत्रिपरिषद के सदस्य रहे शाहनवाज हुसैन दो बार लोकसभा के सदस्य चुने गए। पहली बार उन्होंने किशनगंज से जीत दर्ज की और दूसरी बार वह भागलपुर से चुनाव जीतकर लोकसभा के सदस्य बने। वह फिलहाल, बिहार सरकार में उद्योग मंत्री हैं। भाजपा के संस्थापक सदस्य रहे सिकंदर बख्त भी दो बार राज्यसभा के सदस्य रहे। वह अटलजी की सरकार में कैबिनेट मंत्री थे। बाद में उन्हें केरल का राज्यपाल बनाया गया था। वह भाजपा के पहले तीन महासचिवों में से एक थे। राज्यों की भाजपा सरकारों में मुस्लिम मंत्रियों की बात करें तो बिहार में जहां शाहनवाज हुसैन मंत्री हैं, वहीं उत्तर प्रदेश में दानिश आजाद अंसारी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंत्रिपरिषद में राज्य मंत्री हैं। योगी सरकार के पिछले कार्यकाल में राज्यमंत्री रहे मोहसिन रजा को इस बार दोबारा मौका नहीं मिला। इसके अलावा वर्तमान में केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान भी भाजपा के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ चुके हैं। हम आपको याद दिला दें कि इस साल के शुरू में जब उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव हो रहे थे तब भाजपा ने एक भी मुस्लिम उम्मीदवार नहीं उतारा था। इस बारे में जब केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से सवाल पूछा गया कि भाजपा का मुसलमानों के साथ क्या रिश्ता है तो उन्होंने कहा था कि सरकार और एक जिम्मेदार राजनीतिक दल के नाते उसका जो रिश्ता होना चाहिए वही रिश्ता है। उन्होंने कहा था कि चुनाव जीतने के बाद अगर उनके कल्याण में कोई भेदभाव हो तो आरोप लगाया जा सकता है।

देखा जाये तो भाजपा ने सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास के मूलमंत्र पर आगे बढ़ते हुए सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अल्पसंख्यक वर्ग तक तेजी से पहुँचाया है और मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक के अभिशाप से मुक्ति दिलायी है, इसीलिए इस समुदाय के वोट उसे लगातार मिल रहे हैं। हाल ही में उत्तर प्रदेश के रामपुर और आजमगढ़ संसदीय सीटों के उपचुनाव में भी भाजपा की जीत हुई जबकि यह दोनों सीटें अल्पसंख्यक बहुल हैं। भाजपा लगातार यह साबित करने में जुटी है कि मुस्लिमों का कल्याण सिर्फ चुनावों में टिकट देकर, इफ्तार की दावत करके या तुष्टिकरण करके नहीं बल्कि योजनाओं का लाभ उन तक पहुँचाने से होगा। बहरहाल, यह सही है कि राजनीति में सभी वर्गों की पर्याप्त भागीदारी होनी चाहिए लेकिन यह भी गलत है कि किसी सांसद को जाति या धर्म के चश्मे से देखा जाये। संसद के सदस्य जनता के प्रतिनिधि होते हैं ना कि किसी धर्म विशेष के।

कई देशों में मंदी के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था की तेज प्रगति से दुनिया चकित

कोरोना महामारी के बाद पूरे विश्व में, विशेष रूप से विकसित देशों में, लगातार तेजी से बढ़ रही मुद्रा स्फीति (महंगाई) को नियंत्रित करने के उद्देश्य से ब्याज दरों में की जा रही वृद्धि के चलते अब इन देशों में आर्थिक मंदी आने की सम्भावना व्यक्त की जाने लगी है। आर्थिक मंदी से तात्पर्य वस्तुओं के महंगे होते जाने से इनकी मांग में कमी होना एवं आर्थिक विकास की दर का स्थिर हो जाना अथवा कुछ समय के लिए इसके ऋणात्मक हो जाने से है। यह स्थिति किसी भी देश के लिए अच्छी नहीं मानी जा सकती है क्योंकि आर्थिक चक्र के रुक जाने से वस्तुओं का उत्पादन कम होने लगता है और रोजगार के अवसर भी कम होने लगते हैं जिससे बेरोजगारी की समस्या और भी गम्भीर होने लगती है। आर्थिक गतिविधियों के कम हो जाने से सरकारों की आय में कमी होने लगती है एवं सरकारों को अपने तंत्र को चलाने के लिए कई मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। एक विकसित देश में आर्थिक मंदी यदि लम्बे समय तक चले तो यह छुआछूत की बीमारी की तरह इस देश के साथ विदेशी व्यापार करने वाले अन्य देशों के माध्यम से पूरे विश्व को भी अपनी चपेट में ले सकती है। कुछ देशों में आर्थिक मंदी की गम्भीर शंका व्यक्त की जा रही है परंतु भारतीय अर्थव्यवस्था में आर्थिक गतिविधियों में लगातार सुधार देखा जा रहा है। यह केंद्र सरकार एवं कुछ राज्य सरकारों (विशेष रूप से उत्तर प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक, तमिलनाडु, आदि) द्वारा लिए जा रहे आर्थिक निर्णयों के चलते एवं विभिन्न स्तरों पर सरकारों द्वारा बुनियादी ढांचा विकसित करने के उद्देश्य से लगातार बढ़ाए जा रहे पूंजीगत व्यय तथा सामाजिक सेवाओं में लगातार किए जा रहे सुधार के कारण सम्भव हो रहा है। बीते 8 वर्षों में केंद्र सरकार ने बुनियादी ढांचे के विकास और सामाजिक सेवाओं पर ध्यान केंद्रित किया है। इन 8 वर्षों में केंद्र सरकार द्वारा विकास और सामाजिक क्षेत्र के कार्यक्रमों पर लगभग 100 लाख करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। वित्तीय वर्ष 2014-15 से 2021-22 के बीच केंद्र सरकार द्वारा बुनियादी ढांचे को विकसित करने के लिए 26 लाख करोड़ का पूंजीगत व्यय किया गया है। भोजन, उर्वरक और ईंधन सब्सिडी के लिए 25 लाख करोड़ रुपए और सामाजिक सेवाओं पर 10 लाख करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। हाल ही में राष्ट्रीय सांख्यिकीय संगठन द्वारा जारी की गई जानकारी के अनुसार वित्तीय वर्ष 2021-22 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 8.7 प्रतिशत की वृद्धि दर अर्जित की गई है जो कि वित्तीय वर्ष 2020-21 में 6.6 प्रतिशत की रही थी।

योगी सरकार ने पहले सौ दिनों में बेहतरीन कामकाज की नई मिसाल कायम की है

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की लोकप्रियता का ग्राफ लगातार बढ़ता जा रहा है। उनके फैसलों और कामकाज की शैली की देश ही नहीं विदेश तक में चर्चा हो रही है। योगी के दूसरे कार्यकाल में भी पुराने तेवर बरकरार हैं। उनकी सरकार बिना किसी भय और पक्षपात के आगे बढ़ रही है। वैसे तो किसी भी सरकार के कामकाज की समीक्षा करने के लिए कम से कम 6 महीने का समय जरूरी समझा जाता है लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपनी सरकार के 100 दिन पूरे होने के उपलक्ष्य में अपना रिपोर्ट कार्ड जारी किया तो यह रिपोर्ट कार्ड विपक्ष को भले ही अच्छा ना लगा हो लेकिन योगी के समर्थक उन्हें हंड्रेड परसेंट नंबर दे रहे हैं।

योगी सरकार का 100 दिन का रिपोर्ट कार्ड इसलिए ज्यादा मायने रखता है क्योंकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शपथ ग्रहण के साथ ही अपनी सरकार के 100 दिनों के लिए विकास का लक्ष्य निर्धारित कर दिया था। बहरहाल, एक तरफ योगी विकास का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहे थे तो दूसरी तरफ इन 100 दिनों में उनके सामने कई चुनौतियां और चुनाव भी आए। लोकसभा के उपचुनाव और विधान परिषद के चुनाव हुए तो बीजेपी नेत्री नूपुर शर्मा के विवादित बयान के बाद कुछ लोगों ने प्रदेश का अमन चैन बिगाड़ने

की काफी कोशिश की। लोकसभा के उपचुनाव में योगी ने रामपुर-आजमगढ़ की लोकसभा सीटें बीजेपी की झोली में डालीं। यह कारनामा कोई छोटा नहीं था। विधान परिषद चुनाव में भी बीजेपी ने शानदार प्रदर्शन किया। योगी के 100 दिन के कार्यकाल में ही बीजेपी नेत्री नूपुर के विवादित बयान के विरोध में कानपुर, प्रयागराज में हिंसा हुई, वहीं अन्य जिलों में भी माहौल गरमाया गया। योगी ने दंगाइयों के मंसूबों पर पानी फेरने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। दंगाइयों के खिलाफ बुलडोजर की भी कार्रवाई की गई। इससे पहले धार्मिक स्थलों से शांतिपूर्वक लाउडस्पीकर हटाने का भी कार्य किया, योगी से पहले की सरकारें कोर्ट के बार-बार आदेश के बाद भी यह काम नहीं कर पाई थीं। इसी तरह से कुछ खास मौकों पर सड़क पर नमाज पढ़ने की आदत पर भी लगाम लगाई गई है। दूसरी बार जब योगी मुख्यमंत्री बने तो उन्होंने पूरे दमखम के साथ दिखाया कि उनका कोई विकल्प अभी उत्तर प्रदेश में नहीं है।

कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए कड़े फैसले लेने से वे हिचक नहीं रहे हैं। 2017 में जब योगी ने पहली बार मुख्यमंत्री की कुर्सी संभाली थी तो उनके पास प्रशासनिक अनुभव की काफी कमी थी। इसी वजह से शुरुआत के एक दो साल तक काफी हद तक उनके फैसलों में प्रशासनिक अधिकारियों का दखल दिखता रहा था। अब वे पके-पकाए नेता बन चुके हैं। नौकरशाही उनको अपने इशारे पर नहीं नचा पा रही है। बात विकास की करें तो योगी ने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत के साथ ही सभी मंत्रियों को 100 दिनों की कार्ययोजना का खाका खींच कर दे दिया था। जिस पर काफी काम भी हुआ। यह और बात है कि अभी यह कार्य पूरी तरह से जमीन पर दिखाई नहीं दे रहे हैं। इसी के साथ योगी कानून व्यवस्था को लेकर बनी बुलडोजर बाबा की छवि को बरकरार रखने में कामयाब रहे।

किसान ऐप से सैटेलाइट इमेज से खुद कर सकेंगे गिरदावरी

रायसेन। किसानों को अब गिरदावरी के लिए पटवारियों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। इस काम के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ई तकनीक का प्रयोग किया जा रहा है। इसके तहत मैप आइटी द्वारा सैटेलाइट से प्राप्त इमेज के आधार पर किसान से सत्यापन कराते हुए गिरदावरी अभिलेखों में दर्ज की जाएगी। कृषि विभाग के उप संचालक एनपी सुमन ने बताया कि पहले पटवारियों को गिरदावरी करना होती थी, लेकिन अब किसान स्वयं भी यह काम कर सकते हैं। इसके लिए किसान भाइयों को एमपी किसान ऐप प्ले स्टोर से डाउनलोड करना होगा। सैटेलाइट इमेज के आधार पर फसल दिखाई जाएगी। यदि किसान ऐप में दिखाई जाने वाली फसल से सहमत है तो ओके करेंगे। इसके बाद फसल सर्वर पर अपलोड हो जाएगी। किसान फसल की जानकारी किसान ऐप पर 1 से 15 अगस्त तक दर्ज कर करते सकते हैं। इसके बाद पटवारी 31 अगस्त तक गिरदावरी पूर्ण कर सकेंगे। 5 सितंबर तक आपत्ति दर्ज कराई जा सकेगी व 10 सितंबर को पोर्टल पर डाटा लॉक हो जाएगा इसके बाद किसी भी प्रकार का संशोधन नहीं किया जा सकेगा ।

गिरदावरी में आती थी यह समस्या

फसलों की बोवनी से पहले गिरदावरी को लेकर किसान समर्थन मूल्य के दौरान होने वाले पंजीयन में परेशान होते थे। पटवारियों ने भी गिरदावरी करने का विरोध किया। इन सब झंझट से छुटकारा मिलेगा। सर्वे में फसल आकलन में त्रुटि भी नहीं होगी।

सांची विवि की शोध छात्रा को राष्ट्रीय योग गौरव पुरस्कार मिला

रायसेन। योग के क्षेत्र में राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धियां हासिल कर राज्य व देश का नाम रोशन करने वाली सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय की शोधार्थी श्वेता नेमा को स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय योग गौरव सम्मान 2022 के लिए चयनित किया गया है। नेमा को उनके उत्कृष्ट कार्य तथा समाज में स्वास्थ व योग के प्रति सभी को जागरूक करने व मुफ्त सेवाएं देने के लिए 26 जून को उज्जैन में स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय योग गौरव सम्मान दिया गया है। श्वेता इसके पहले कई राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित हुए हैं। प्रतिभा की धनी होने के साथ साथ स्वस्थ समाज के निर्माण व देश क लिए कुछ करने की चाह में ये नित प्रतिदिन सक्रिय रूप से कार्यरत हैं। यह सम्मान श्वेता को उनकी सक्रिय गतिविधियों के कारण दिया जा रहा है। श्वेता को जनहितकारी सामाजिक कार्यों, स्वस्थ एवं शिक्षित समाज निर्माण में सहयोग के लिए राजस्थान में गेस्ट आफ आनर, सरस्वती बाई दादा साहब फाल्के आइकॉनिक वूमन 2021 सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है। उनका कहना है कुछ पाना है तो अपना कम्फर्ट जोन छोड़कर एक सक्रियता के साथ जुटना होगा। वे महिलाएं दूसरों के लिए प्रेरणा व आदर्श बनती है जो स्वयं में एक दृढ़ता और इच्छाशक्ति के साथ आगे बढ़ने का हौसला और चाह रखती हैं। आगामी समय में श्वेता भारत-तिब्बत सीमा पर तैनात जवानों और विभिन्ना थाना क्षेत्रों में पदस्थ महिला व पुरुष पुलिसकर्मियों का योग का निश्शुल्क प्रशिक्षण देंगी। वे अभी प्रतिदिन आनलाइन योग का निश्शुल्क प्रशिक्षण देश भर में उनके वाट्सएप ग्रुप से जुड़ी कामकाजी महिलाओं को देती हैं।

जिले में अब तक 166.5 मिलीमीटर वर्षा हुई, नदी-नाले उफने

रायसेन। जिले में 1 जून से 5 जुलाई तक 166.5 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है जो कि गत वर्ष इसी अवधि में हुई औसत वर्षा से 88.6 मिलीमीटर कम है। जिले की वर्षा ऋतु में सामान्य औसत वर्षा 1197.1 मिलीमीटर है। अधीक्षक भू-अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से 5 जुलाई तक जिले के रायसेन में 143.4 मिलीमीटर, गैरतगंज में 246.2, बेगमगंज में 179, सिलवानी में 168.8, गौहरगंज में 142.3, बरेली में 117, उदयपुरा में 189.6, बाड़ी में 121. सुल्तानपुर में 148.1 व देवरी में 209.2 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। जिले में बीते 24 घंटे में 5 जुलाई को प्रातः 8 बजे तक 12.3 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। इस दौरान रायसेन में 15, गैरतगंज में 5.6, बेगमगंज में 5, सिलवानी में 4, गौहरगंज में 3.2, बरेली में 13. उदयपुरा में 5, बाड़ी में 22, सुल्तानपुर में 33.6 तथा देवरी में 17 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। लगातार वर्षा से जिले के अनेक स्थानों पर नदी-नाले उफान पर हैं। देर रात बेगम नदी, बारना नदी, पलकमति नदी के उफान पर आने से कुछ समय के लिए आवागमन अवरुद्ध रहा। सुबह से कहीं रुक-रुक कर वर्षा हो रही है तो कहीं बादल छाए हुए हैं। रायसेन में कुछ समय के लिए वर्षा और बादल छाए रहे। वर्षा होने के बाद किसानों ने खरीफ फसलों की बोवनी का काम शुरू कर दिया है। सोयाबीन, धान व मक्का की मुख्य फसल के रूप में बोवनी की जा रही है।

शाम तक लगी रही कतार, बाड़ी में 80 फीसद मतदान

रायसेन। नगरीय निकाय निर्वाचन-2022 के प्रथम चरण में रायसेन जिले की नगर परिषद सिलवानी, नगर परिषद बाड़ी व नगर परिषद बरेली में शांतिपूर्ण एवं सुचारू रूप से मतदान सम्पन्ना हुआ। सुबह से देर शाम तक मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की कतार लगी रही। यहीं कारण है कि बाड़ी में 80 फीसद से अधिक मतदान हुआ है। जिला प्रशासन ने नगरीय निकायों में शांतिपूर्ण एवं सुचारू रूप से मतदान सम्पन्ना कराने के लिए सभी व्यवस्थाएं की थीं। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अरविन्द दुबे तथा पुलिस अधीक्षक विकास कुमार शहवाल ने तीनों निकायों में पहुंचकर अनेक मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया। सभी स्थानों पर मतदान करने के लिए मतदाता बेहद उत्साहित रहे। तीनों निकायों सिलवानी, बाड़ी तथा बरेली में सुबह से ही मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं की लंबी-लंबी कतारें लगी रहीं। युवा, महिला, बुजुर्ग मतदाता हो या दिव्यांग सभी ने अपने मतदाधिकार का उपयोग करने में उत्साह दिखाया। अनेक वयोवृद्ध मतदाताओं, दिव्यांग मतदाताओं ने अपने परिजनों के साथ मतदान केन्द्र पहुंचकर वोट डाले। बरेली में 105 वर्षीय रज्जो बाई ने व सिलवानी में 102 वर्षीय गुलाब बाई ने वोट डालाः बरेली में 105 वर्षीय रज्जो बाई ने अपने परिवार के साथ मतदान केन्द्र पहुंचकर मतदान किया। सिलवानी के मतदान केन्द्र क्रमांक एक पर 102 वर्षीय गुलाब बाई ने मतदान किया। उन्होंने कहा कि अनेक शहीदों के बलिदान के बाद हमें वोट डालने का अधिकार मिला है। इसका महत्व समझते हुए अपने नगर के, क्षेत्र के विकास के लिए सभी को मतदान करना चाहिए। सिलवानी में 85 वर्षीय जुबेदा बेगम ने भी अपने परिजनों के साथ पहुंचकर मतदान किया। मतदान में बीमारी भी नहीं बनी बाधाः सिलवानी नगर में 80 वर्षीय वयोवृद्ध मतदाता रामचरण साहू को चलने में परेशानी होती है।

रायसेन में पति-पत्नी फंदे पर लटके, दोनों की मौत

रायसेन। शहर के वार्ड क्रमांक 9 तहसील कार्यालय के पीछे नवल लोधी (36 वर्ष) पिता तुलसीराम लोधी और उसकी पत्नी शिरोमणि (29 वर्ष) ने किचन में दुपट्टे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। नवल की मां गोपी बाई रात 2-30 बजे लघुशंका के लिए रसोईघर के पास बने शौचालय में पहुंची तो देखा कि रसोई घर का दरवाजा खुला था। तब उन्होंने अंदर जाकर देखा तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। देखा कि बेटा नवल फांसी के फंदे पर झूल रहा था, वहीं बहू शिरोमणि नीचे जमीन पर पड़ी थी। इसके बाद घर में चीख-पुकार मच गई। यह सुन करघर अन्य सदस्य भी जाग गए और उन्होंने तत्काल नवल को फांसी के फंदे से नीचे उतारा, पर तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी। इसके बाद थाना कोतवाली पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंचे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमृत मीणा, एसडीओपी अदिति भावसार, थाना कोतवाली प्रभारी आशीष सप्रे ने घटनास्थल का मुआयना कर जांच शुरू कर दी है। परिजनों ने बताया कि रात में सभी के साथ खाना खाया, बातें की और सोने चले गए। अंदेशा यही है कि रात में किचन में जाकर पहले पत्नी ने दुपट्टे से फांसी लगाई और उसके साथ-साथ पति भी फंदे पर झूल गया। मृतक दंपती का 5 साल का बेटा और 8 माह की बेटी है। नवल तहसील कार्यालय के सामने पान की गुमठी चलाता था। पुलिस को सुसाइड नोट नहीं मिला है। इसलिए फिलहाल खुदकुशी की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। एएसपी मीणा ने बताया कि परिजनों के बयान लिए जा रहे हैं। पोस्टमार्टम कराने के बाद दोनों के शव परिजनों को सौंप दिए गए हैं।

तापसी की इस हिट फिल्म के सीक्वल पर काम शुरू

फिल्म मेकर्स सफल फिल्मों को हर तरह से भुनाना चाहते हैं, इसी का नतीजा है कि कोई फिल्म हिट होते ही उसके सीक्वल पर दिमाग दौड़ाने लगते हैं। यही हो रहा है तापसी पन्नू की ओटीटी पर हिट फिल्म हसीन दिलरुबा के साथ। खबर है कि जुलाई 2021 में नेटफ्लिक्स पर आई इस थ्रिलर के सीक्वल का काम राइटर को सौंप दिया गया है, ताकि वह जल्दी-जल्दी कहानी लिखे और अगले साल तक फिल्म बना कर रिलीज कर दी जाए। हसीन दिलरुबा थ्रिलर थी, जिसमें नायिका पर पति की हत्या करने का आरोप लगता है और उसका आशिक गायब है। अब पूरे मामले का सच क्या है, फिल्म के आखिर में यह पता चलता है।

क्या थी कहानी, क्या होगा सीक्वल

तापसी पन्नू, विक्रांत मैसी, हर्षवर्द्धन राणे, आदित्य श्रीवास्तव स्टारर इस फिल्म का निर्देशन विनिल मैथ्यू ने किया था। खबर है कि फिल्म की राइटर कनिका ढिल्लन सीक्वल पर काम शुरू कर चुकी हैं। सीक्वल में बताया जाएगा कि तापसी के पीछे पुलिस लगी है। पुलिस केस यह है कि रानी कश्यप यानी तापसी के इंजीनियर पति रिशु (विक्रांत मैसी) की घर में जल कर मौत हो गई थी। पुलिस को शक तापसी पर है। लेकिन हकीकत में रिशु जिंदा है और मौत उसकी मौसी के बेटे नील (हर्षवर्द्धन) की हुई है। जो रानी के पीछे पड़ा था। फिल्म के क्लाइमेक्स में रानी और रिशु को साथ दिखाया गया था। क्या पुलिस इस पूरे मामले को सुलझा पाएगी और दुनिया के सामने सचाई आएगी, सीक्वल इन्ही सवालों के जवाब देगा।

तापसी कब निकालेंगी समय

निर्माता जरूर चाहते हैं कि हसीन दिलरुबा का सीक्वल जल्दी बन कर अगले साल रिलीज हो, लेकिन क्या तापसी सीक्वल के लिए जल्दी समय निकाल पाएंगी। इन दिनों वह बहुत व्यस्त चल रही हैं। इस महीने उनकी शाबाश मिठू रिलीज होने को तैयार है।

ऋतिक से माफी नहीं मांगने पर जावेद अख्तर ने दी थी धमकी

लिरिसिस्ट जावेद अख्तर के डिफेमेशन केस में एक्ट्रेस कंगना रनोट 4 जुलाई को मुंबई कोर्ट में पेश हुईं। इस मामले की सुनवाई मेट्रोपॉलिटन मैजिस्ट्रेट कोर्ट में हुई। कोर्ट में कंगना रनोट के बयान दर्ज किए गए। बयान दर्ज कराने से पहले कंगना ने कोर्ट में यह अपील की थी कि बयान दर्ज कराते समय उनके साथ केवल उनकी बहन रंगोली चंदेल और वकील ही मौजूद रहें। इस मामले में कंगना ने अपनी बहन को गवाह बनाया है।

ऋतिक से माफी न मांगने पर जावेद अख्तर ने दी थी धमकी

कोर्ट में कंगना ने अपने बयान में कहा कि जावेद अख्तर ने उनकी तब बेइजती की थी, जब उन्होंने ऋतिक रोशन से माफी मांगने से इनकार कर दिया था। कंगना ने जावेद अख्तर पर आरोप लगाया है कि लिरिसिस्ट ने एक्ट्रेस को माफी न मांगने पर इसका अंजाम भुगतने की धमकी भी दी थी। एक्ट्रेस ने यह भी कहा है कि जावेद अख्तर ने उन्हें आत्म हत्या के लिए मजबूर किया, जिससे वह मानसिक रूप से परेशान भी रहीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कंगना ने कोर्ट में बताया कि उनसे जावेद अख्तर ने क्या-क्या कहा था।

तीन शादियों और नौ अफेयर्स के बाद भी सिंगल हैं टॉम क्रूज

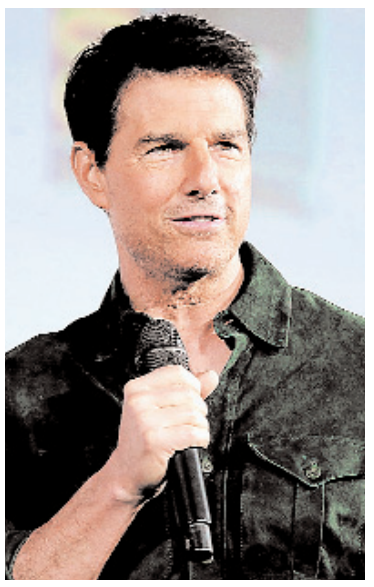

टॉम क्रूज की गिनती हॉलीवुड के मशहूर अभिनेताओं में होती है। अमेरिका क्या पूरी दुनिया उनकी दीवानी है। टॉम क्रूज ने काफी सुपरहिट फिल्में दी हैं। टॉम क्रूज के फैंस देश-विदेश में फैले हैं, जो उनकी फिल्मों का बेसब्री से इंतजार करते हैं। टॉम क्रूज जल्द ही बड़े पर्दे पर नजर आने वाले हैं। साल 2022 और 2023 में उनकी दो बड़ी फिल्में रिलीज होने वाली हैं, जिसको लेकर फैंस में एक अलग सा क्रेज है। हॉलीवुड में एक एक अलग पहचान बनाने वाले टॉम क्रूज अपने निजी रिश्तों में बहुत असफल रहे हैं। टॉम क्रूज की जिंदगी में कई लड़कियां आई और गईं, लेकिन वह आज भी अकेले हैं।

आर माधवन ने फिल्म सम्राट पृथ्वीराज पर कसा तंज

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार की फिल्म 'सम्राट पृथ्वीराज' बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप साबित हुई। इस फिल्म से दर्शकों को काफी उम्मीदें थी और निर्देशक चंद्रप्रकाश द्विवेदी ने फिल्म की कहानी के लिए 18 साल का रिसर्च किया था। फिल्म बड़ी लागत और बड़े स्टार कास्ट के साथ बनाई गई थी लेकिन दर्शक इससे जुड़ नहीं पाए। फिल्म सम्राट पृथ्वीराज को लेकर आलोचनाओं का दौर थम नहीं रहा है। दरअसल इस फिल्म के आने से पहले अभिनेता ने एक बयान दिया था, जिसमें उन्होंने बताया था कि वह एक फिल्म को 40 से 45 दिन से यादा नहीं दे सकते। उन्होंने सम्राट पृथ्वीराज की शूटिंग भी 42 दिन में पूरी की थी जिस कारण से वह असली मूछ तक नहीं लगा पाए थे। इस बयान की वजह से अब अक्षय कुमार लोगों के निशाने पर हैं। इसी बीच अभिनेता आर माधवन का भी एक बयान सामने आया, जिसे अक्षय कुमार से जोड़कर देखा जा रहा है।

पझुवूर की रानी नंदिनी के किरदार में नजर आएंगी ऐश्वर्या राय

एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय पिछले कुछ दिनों से अपनी अपकमिंग हिस्टोरिकल ड्रामा फिल्म पोन्नियिन सेल्वन-1 को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। अब बुधवार को मेकर्स ने फिल्म से ऐश्वर्या राय का एक नया पोस्टर सोशल मीडिया पर फैंस के साथ शेयर किया है।

प्रतिशोध का एक सुंदर चेहरा, पझुवूर की रानी नंदिनी से मिलें

मेकर्स ने फिल्म से ऐश्वर्या राय का नया पोस्टर शेयर कर लिखा, प्रतिशोध का एक सुंदर चेहरा। पझुवूर की रानी नंदिनी से मिलें। सितंबर को तमिल, हिंदी, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ में सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। इस पोस्टर में ऐश्वर्या राय का रॉयल लुक देखने लायक है, वे इसमें काफी सुंदर नजर आ रही हैं।

मणिरत्नम ने ऐश्वर्या की खूबसूरती का बेहतरीन इस्तेमाल कियाः यूजर

पोस्टर सामने आने के बाद से ही यह सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। फैंस को यह पोस्टर काफी पसंद आ रहा है। यूजर्स कमेंट कर ऐश्वर्या राय के लुक की जमकर तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट कर लिखा, मणिरत्नम और एसएलबी ने ऐश्वर्या राय की खूबसूरती और एक्टिंग स्किल्स का बेहतरीन इस्तेमाल किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ऐश्वर्या राय इस फिल्म में डबल रोल में नजर आने वाली हैं। फिल्म में ऐश्वर्या राय पझुवूर की रानी नंदिनी के अलावा मंदाकिनी देवी के किरदार में भी नजर आने वाली हैं।

एसईजेड में 10 एकड़ भूभाग में 3.6 करोड़ यूरो किया जाएगा निवेश

एजेंसी| नई दिल्ली

फ्रांस की रक्षा कंपनी सैफरान ग्रुप ने उन्नत विमान इंजनों के कलपुर्जे बनाने के लिए 3.6 करोड़ यूरो के निवेश से हैदराबाद में एक संयंत्र स्थापित करने और हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के साथ एक संयुक्त उद्यम लगाने की घोषणा की। फ्रांसीसी कंपनी भारतीय एवं विदेशी वाणिज्यिक विमानों के लिए हैदराबाद में एक रखरखाव एवं मरम्मत (एमआरओ) संयंत्र भी लगाएगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ सैफरान ग्रुप के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ओलिवर एंड्रीस की बैठक के बाद यह घोषणा की गई। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एचएएल के साथ संयुक्त उद्यम बेंगलुरु में स्थापित किया जाएगा, जो हेलीकॉप्टर के लिए इंजन का निर्माण करेगा। यह इंजन मध्यम वजन वाले इंडियन मल्टी-रोल हेलीकॉप्टर (आईएमआरएच) में लगाया जाएगा जिसका विकास एचएएल कर रहा है। सैफरान ग्रुप असैन्य एवं लड़ाकू विमानों के उन्नत इंजनों के असली कलपुर्जे बनाने वाली अग्रणी कंपनी है। सैफरान ग्रुप ने कहा कि एमआरओ सुविधा केंद्र पर 15 करोड़ डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश किया जाएगा। यह केंद्र भारतीय एवं विदेशी वाणिज्यिक विमानों में इस्तेमाल होने वाले लीप-1ए और लीप-1बी इंजनों का रखरखाव करेगा। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यह एमआरओ केंद्र शुरुआती दौर में साल भर में 250 से अधिक इंजनों की मरम्मत करने में सक्षम होगा। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक रक्षा मंत्री के साथ मुलाकात के दौरान सैफरान ग्रुप के सीईओ ने इस हफ्ते इन तीनों संयंत्रों के उद्घाटन के बारे में भी चर्चा की। हैदराबाद में विमान इंजन कलपुर्जा संयंत्र और एमआरओ सुविधा केंद्र के अलावा बेंगलुरु में सैफरान-एचएएल संयुक्त उद्यम स्थापित किया जाना है। इस मुलाकात में रक्षा मंत्री ने सैफरान को भारत में रक्षा उपकरणों के विनिर्माण एवं विकास के लिए नए उद्यम लगाने का न्योता देते हुए कहा कि इससे मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत अभियान को बल मिलेगा।

ब्रिटानिया के शेयरधारकों ने 5,000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव को ठुकराया

मुंबई । ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज के शेयरधारकों ने पिछले सप्ताह हुई आम सभा की बैठक में 5,000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव को ठुकराया दिया। शेयरधारकों ने बोर्ड को निवेश करने, ऋण देने और 5,000 करोड़ रुपये तक की गारंटी देने के लिए अधिकृत करने के प्रस्ताव के खिलाफ मतदान किया। ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज ने 29 जून को शेयर बाजार को बताया कि निवेश, ऋण, विशेष गारंटी और सुरक्षा के लिए सीमा बढ़ाने के विशेष प्रस्ताव को अपेक्षित बहुमत के साथ पारित नहीं किया जा सका। कंपनी अधिनियम के तहत जरूरी है कि किसी विशेष प्रस्ताव को पारित करने के लिए उसके पक्ष में कम से कम 75 प्रतिशत सदस्यों का मत जरूरी है। इस प्रस्ताव को कुल 19.60 करोड़ मतों में से केवल 73.35 प्रतिशत मत मिले, जबकि 26.64 प्रतिशत मत प्रस्ताव के खिलाफ थे।

एफआईआई की लिवाली से शेयर बाजार की तेज शुरुआत

सेंसेक्स 317 अंक से अधिक चढ़ा, निफ्टी 15,892 पर

एजेंसी| मुंबई

घरेलू शेयर बाजार में लंबे समय के बाद विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के शुद्ध लिवाली करने के बीच बुधवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 317 अंक से अधिक चढ़ गया। इस दौरान 30 शेयरों वाला बीएसई सूचकांक 317.52 अंक बढ़कर 53,451.87 पर पहुंच गया। दूसरी ओर एनएसई निफ्टी 81.8 अंक चढ़कर 15,892.65 पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स में एशियन पेंट्स, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक, बजाज फिनसर्व, मारुति सुजुकी इंडिया और कोटक महिंद्रा बैंक बढ़त दर्ज करने वाले प्रमुख शेयरों में शामिल थे। टाटा स्टील, एनटीपीसी, पॉवर ग्रिड और रिलायंस इंडस्ट्रीज में गिरावट हुई। पिछले सत्र में तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 100.42 अंक टूटकर 53,134.35 अंक पर बंद हुआ था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 24.50 अंक की गिरावट के साथ 15,810.85 अंक पर बंद हुआ था।

निवेशकों ने शुरुआत से ही एशियन पेंट, एलएंडटी, एक्सिस बैंक, बजाज, कोटक बैंक मारुति जैसी कंपनियों पर दांव लगाया और लगातार खरीदारी से ये स्टॉक्स टॉप गेनर की सूची में आ गए. इसके अलावा बीपीसीएल, आयसर मोटर्स, एसबीआई लाइफ के स्टॉक्स में भी आज तेजी दिख रही है। दूसरी ओर, ओएनजीसी, टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील, कोल इंडिया, नेसले, पावर ग्रिड और एनटीपीसी जैसी कंपनियों में आज बिकवाली हावी रही। निवेशकों ने इन स्टॉक्स से दूरी बनाए रखी जिससे ये शुरुआती कारोबार में टॉप लूजर बन गए. आज बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप पर भी 0.4 फीसदी की तेजी दिख रही है। सबसे ज्यादा गिरावट तेल एवं गैस क्षेत्र में दिख रही है।

खाने के तेल की कीमतों में आ सकती है गिरावट

एजेंसी| नई दिल्ली

खाने के तेलों की कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए अब सरकार की ओर से कवायद शुरू कर दी गई है। उम्मीद है कि सरकार के इस कवायद के बाद खाने का तेल सस्ता हो सकता है। इस संबंध में खाद्य सचिव ने बुधवार को खाद्य तेल कंपनियों और तेल आयातकों के साथ बैठक बुलाई है। माना जा रहा है कि सरकार इस बैठक में खाद्य तेल के कारोबार से जुड़ी कंपनियों को खाद्य तेलों की कीमतें घटाने के लिए कह सकती है। सरकार की ओर से इस बैठक में शामिल होने के लिए खाद्य तेलों के आयातक और उत्पादक दोनों की तरह की कंपनियों को कहा गया है। सूत्रों के अनुसार बुधवार को होने वाली बैठक में देश में खाद्य तेलों की कीमतों की समीक्षा की जाएगी। गौरतलब है कि हाल के दिनों में अंतरराष्ट्रीय बाजार में खाने के तेलों की कीमतों में अच्छी-खासी गिरावट देखने को मिली है। इसके बावजूद, देश में खाद्य तेलों की कीमतों में तेजी बनी हुई है।

घरेलू गैस सिलेंडर 50 रुपए महंगा

दिल्ली में घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत 50 रुपए बढ़कर 1,053 रुपए हुई

एजेंसी| नई दिल्ली

सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों ने बुधवार सुबह 14.2 किलोग्राम वाले रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में 50 रुपए का इजाफा कर दिया है। पेट्रोलियम कंपनियों के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में अब घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत 50 रुपए बढ़कर 1,053 रुपए प्रति सिलेंडर पहुंच गया है। इससे पहले 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत दिल्ली में 1,003 रुपए थी। दिल्ली में पिछले एक साल में रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में करीब 215 रुपए की बढ़ोतरी हो चुकी है। इसकी कीमत 834.50 रुपए बढ़कर 1,003 रुपए पहुंच गई थी, जो अब 50 रुपए और बढ़ गई है। दिल्ली में इससे पहले 19 मई को 14.2 किलोग्राम वाले सिलेंडर की कीमत 4 रुपए बढ़ी थी। इससे पहले 7 मई को भी घेरलू गैस सिलेंडर की कीमत में 50 रुपए की बढ़ोतरी की गई थी और इसकी कीमत 999.50 रुपए पहुंच गई थी। 22 मार्च को भी इसकी कीमतों में 50 रुपए की वृद्धि हुई थी। हालांकि, अक्टूबर 2021 से फरवरी 2022 तक घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ और यह 899.50 रुपए पर स्थिर थी। पेट्रोलियम कंपनियों ने 5 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में भी बढ़ोतरी कर दी है। इसकी कीमत 18 रुप। प्रति सिलेंडर बढ़ गई है। इसके अलावा 19 किलोग्राम वाले कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में 8.50 रुप। की कटौती की गई है। इस महीने की शुरुआत में ही इसकी कीमतों में बड़ी कटौती की गई थी और कॉमर्शियल सिलेंडर और भी सस्ता हो गया है। कुछ दिन पहले ही कमर्शियल सिलेंडर के दामों में 198 रुपए की कटौती हुई थी जिसके बाद कीमत दिल्ली में 2021 रुपए हो गई थी। रसोई गैस सिलेंडर के सबसे ज्यादा दाम कोलकाता निवासी चुका रहे है। यहां अब 14.2 किलोग्राम वाले गैस सिलेंडर की कीमत 1,079 रुपएहो गई है। इसके बाद चेन्नई में भी 50 रुपए दाम बढ़े और यहां कीमत 1,068.50 रुपए प्रति सिलेंडर पहुंच गई है। सबसे कम कीमत मुंबईवासी चुका रहे हैं, जो एक सिलेंडर के लिए 1,052.50 रुपए का भुगतान करते हैं।

23 भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों ने 1535 पेटेंट दर्ज/पंजीकृत कराए, बीते 3 सालों में

नई दिल्ली। देश के 23 भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) ने पिछले तीन वर्षों में 1535 पेटेंट दर्ज/पंजीकृत कराए हैं और इसमें 69 पेटेंट को प्रक्रियाओं एवं उत्पादों में बदला गया है। शिक्षा, महिला, बाल, युवा एवं खेल संबंधी स्थायी समिति को उच्च शिक्षा विभाग से इसकी जानकारी मिली है। यह रिपोर्ट सोमवार को राज्यसभा के सभापति को सौंपी गई। संसदीय समिति की रिपोर्ट के अनुसार, उन्हें बताया गया है कि पिछले तीन वर्षों में 23 आईआईटी ने 1535 पेटेंट दर्ज/पंजीकृत कराए हैं। इसमें से 69 पेटेंट को प्रक्रियाओं एवं उत्पादों में बदला गया जिसका देश को लाभ हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, इन पेटेंट का कुल वाणिज्यिक मूल्य 13.21 करोड़ रूपये है।

उच्च शिक्षा विभाग ने कहा है कि आईआईटी राष्ट्रीय महत्व के संस्थान होते हैं और शोध एवं नवाचार के क्षेत्र में अगुआ होते हैं जिनका उद्योगों के साथ समाज को भी फायदा होता है। रिपोर्ट के अनुसार, पेटेंट सृजन में अग्रणी स्थान रखने वाले इन आईआईटी में बौद्धिक संपदा अधिकार प्रकोष्ठ (आईपीआर)/ प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, समर्पित आईपीआर नीति/ दिशानिर्देश आदि मौजूद हैं जो अनुसंधान प्रयोगशालाओं एवं उद्योगों के बीच सहभागितापूर्ण शोध को बढ़ावा देते हैं।

स्कोडा ने जून में 6,023 यूनिट्स की भारतीय बाजार में बिक्री की

एजेंसी| नई दिल्ली

स्कोडा ऑटो इंडियाने जून 2022 में कुल 6,023 यूनिट्स की भारतीय बाजार में बिक्री की। जबकि, मार्च 2022 में कंपनी ने कुल 5,608 इकाइयों की बिक्री की थी। पिछले साल जून 2021 में स्कोडा के 734 यूनिट्स बिके थे। पिछले साल के मुकाबले कंपनी की बिक्री में 721 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। हालांकि, पिछले साल जून महीने में कोविड की दूसरी लहर के कारण देश भर में गाड़ियों की बिक्री में भारी गिरावट दर्ज की गई थी। स्कोडा के ब्रांड निदेशक ज़ैक हॉलिस ने कहा कि हमारे दोनों इंडिया 2.0 उत्पादों ने बेहद चुनौतीपूर्ण पृष्ठभूमि में बाजार में प्रवेश किया है। एक वैश्विक महामारी, रुक-रुक कर लॉकडाउन, आर्थिक उथल-पुथल, भू-राजनीतिक अस्थिरता, और अब एक निरंतर अर्धचालक कमी आपूर्ति श्रृंखला को परेशान कर रही है। इसलिए, हम सभी स्कोडा ऑटो इंडिया के लिए बिक्री के नए रिकॉर्ड तोड़ना और स्थापित करना जारी रखना एक अविश्वसनीय उपलब्धि है। यह हमारी सभी टीमों के चौतरफा काम का नतीजा है।

30 अक्टूबर तक सौ फीसदी परिचालन शुरू हो जाएगाः सिंगापुर एयरलाइंस

सिंगापुर । सिंगापुर एयरलाइन्स (एसआईए) ने घोषणा की है कि वह 30 अक्टूबर तक भारत के लिए महामारी से पहले के स्तर तक का परिचालन शुरू कर देगी। कंपनी ने कहा कि हवाई यात्रा की मांग बढ़ने के मद्देनजर यह फैसला लिया गया है। कंपनी ने कहा कि चेन्नई तक सप्ताह में 17 उड़ानों का परिचालन धीरे-धीरे शुरू किया जाएगा जो अभी प्रति सप्ताह 10 उड़ान है। इस तरह कोच्चि के लिए अभी हर सप्ताह सात उड़ानें हैं जिन्हें बढ़ाकर 14 किया जाएगा, बेंगलुरु के लिए उड़ानें मौजूदा सात से बढ़ाकर 16 की जाएंगी। एसआईए ने कहा कि 30 अक्टूबर 2022 तक कंपनी भारत के लिए कोविड से पहले की अपनी लगभग 100 फीसदी क्षमता के साथ परिचालन करने लगेगी। सिंगापुर एयरलाइन्स में एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारत आवागमन के लिए मांग बढ़ी है जो इस महत्वपूर्ण बाजार में हमारी सेवाएं बढ़ाने के लिहाज से अनुकूल है। महामारी से पहले तक भारत के सात गंतव्यों तक एयरलाइन हर सप्ताह कुल 96 उड़ानों का संचालन करती थी।

सोने की कीमत बढ़ी, चांदी का भाव गिरा

एजेंसी| नई दिल्ली

सोने की कीमतों में 6 जुलाई को कुछ सुधार हुआ है। सोना पिछले छह महीने के सबसे निचले स्तर पर था। डॉलर के ऊंचाई पर पहुंचने का असर सोने पर दिख रहा है। बुधवार को सोना 0.4 फीसदी मजबूत होकर 1,770.71 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। मंगलवार को सोना 2.3 फीसदी कमजोर हुआ था। उसकी कीमत 1,767.53 डॉलर प्रति औंस रह गई थी। गौरतलब है कि 6 जुलाई की सुबह एमसीएक्स पर गोल्ड फ्यूचर्स 0.21 फीसदी मजबूत होकर 51,410 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। चांदी की कीमतों में एक दिन पहले बड़ी गिरावट आई थी, जिससे बुधवार को भी कीमत ऊपर नहीं चढ़ सकी। बुधवार सुबह चांदी 118 रुपए गिरकर 56,747 पर कारोबार करती दिखी। इससे पहले चांदी में कारोबार की शुरुआत 56,900 के स्तर पर खुलकर हुई थी। जैसे ही मांग में नरमी आई, वैसे ही कीमतें नीचे आ गईं। मंगलवार को एमसीएक्स पर चांदी का वायदा भाव करीब 3 फीसदी टूट गया था। सोने-चांदी की कीमतों में ग्लोबल मार्केट में भी भारत की ही तरह बड़ा उतार-चढ़ाव जारी है।

आवश्यकता

युवा प्रदेश नेटवर्क

मध्यप्रदेश के सभी जिले व तहसीलों में संवाददाता नियुक्त किये जाने है। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें।

युवा प्रदेश नेटवर्क,
प्रधान संपादक-नागेश नरवरिया
मो.- 9425156055-9755364204

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। संपादक :- नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)